राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शनिवार 20 अप्रैल 2024 वर्ष–7,अंक–86 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

नक्सल प्रभावित बस्तर में मतदान को लेकर गजब का उत्साह

बस्तर ।

छत्तीसगढ़ की बस्तर लोकसभा सीट के लिए मतदान जारी है। मताधिकार का प्रयोग करने के लिए लोगों में खासा उत्साह दिख रहा है। बस्तर में एक बजे तक 42.57 फीसदी मतदान हुआ है। बस्तर सीट के नारायणपुर जिले के तहत आने वाले छोटे डोंगर गांव में अलग ही नजारा देखने को मिला। ग्रामीण मतदान के समय से पहले ही पोलिंग बूथ पर पहुंच गए थे। मतदान केंद्र का गेट खुलने पर मतदाताओं ने वोट डालने के लिए दौड़ लगाते हुए लाइन में लग अपनी बारी का इंतजार करते रहे। वहीं सुकमा जिले में भी मतदान को लेकर खासा उत्साह है। नक्सल प्रभावित इलाकों से ग्रामीण अपने मताधिकार का प्रयोग करने पहुंचे। केरलापाल के पोंगाभेजी, रबड़ीपारा और सिरसट्टी इलाके से बड़ी संख्या में आदिवासी ट्रैक्टरों में सवार होकर वोट डालने पहुंचे।

मुंबई में अलग-अलग जगह लगी आग, कोई जनहानि नहीं

मुंबई।

मायानगरी मुंबई में आग लगने की दो अलग-अलग घटनाएं हुईं। एक औद्योगिक परिसर में स्थित एक गोदाम और सड़क किनारे एक दर्जन से ज्यादा झुग्गियों में भीषण आग लग गई। दोनों ही घटनाओं में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। नगर निगम अधिकारी ने बताया कि दक्षिण मुंबई में रेय रोड पर देवीदयाल कंपाउंड में पूर्वाह्न करीब साढ़े दस बजे भीषण आग लग गई। उन्होंने बताया, औद्योगिक परिसर के भीतर एक मंजिला गोदाम में आग लगी थी, जो वहीं तक सीमित रही। फायर बिग्रेड की 12 गाड़ियां और अन्य दमकल ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया गया। अधिकारियों के मुताबिक, वहीं दूसरी घटना पवई इलाके की है, जहां सड़क किनारे एक दर्जन से अधिक झुग्गियों में सुबह करीब सवा ग्यारह बजे आग लग गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग का एक दल मौके पर पहुंचा और आग पर काबू पा लिया गया। नगर निगम के अधिकारी ने बताया, आग की घटना में कोई घायल नहीं हुआ है। दोनों ही मामलों में आग का कारण अज्ञात है।

29 नक्सलियों की मौत के बाद मतदान.....सीएम साय की ज्यादा वोटिंग की अपील

रायपुर ।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राज्य की बस्तर लोकसभा सीट के मतदाताओं से बड़ी संख्या में अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की। आम चुनाव के पहले चरण में नक्सल प्रभावित निर्वाचन क्षेत्र में मतदान सुबह सात बजे शुरू हुआ। सीएम साय ने एक ऑडियो संदेश में कहा, राम-राम, जय जोहार, भाइयों और बहनों, बस्तर लोकसभा क्षेत्र में शुक्रवार को मतदान होना है। मैं आपसे मतदान करने और 10 अन्य परिवारों को बड़ी संख्या में मतदान करने और भाजपा की जीत सुनिश्चित करने के लिए प्रोत्साहित करने का आग्रह करता हूं।राज्य की 11 लोकसभा सीटों में से बस्तर सीट पर पहले चरण में मतदान हो रहा है। बाकी 10 सीटों के लिए दो चरणों में मतदान होगा। जहां कांकेर जिले में सुरक्षाकर्मियों द्वारा 29 नक्सलियों को मार गिराने के बाद मतदान हो रहा है। एक अधिकारी ने बताया कि माओवादियों के चुनाव बहिष्कार के आह्वान के बाद सुरक्षा बल अलर्ट पर हैं। कांग्रेस नेता कवासी लखमा को बस्तर में भाजपा के नए चेहरे महेश कश्यप के खिलाफ खड़ा किया गया है, जिसे भगवा पार्टी 2019 में हार गई थी। बता दे कि लोकसभा चुनाव से पहले, बस्तर निर्वाचन क्षेत्र और आस-पास के इलाकों में माओवादियों ने कम से कम नौ भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्या कर दी है। भाजपा कार्यकर्ता पर इस तरह का आखिरी हमला उनके निर्वाचन क्षेत्र में मतदान से 48 घंटे पहले हुआ था।

समुद्र मंथन की पौराणिक कथाओं पर लगी विज्ञान की मुहर

- वासुकी नाग के अस्तित्व को स्वीकारा विज्ञान ने

नई दिल्ली । आईआईटी रुड़की के एक अहम शोध में गुजरात के कच्छ मे एक खदान की खुदाई में विशालकाय सर्प की रीड की हड्डी के अवशेष मिलने का दावा किया गया है। शोधकर्ताओं के अनुसार यह अवशेष 4। 7 करोड़ वर्ष पुराने हैं। जिस सर्प की हड्डी के अवशेष मिले हैं। शोधकर्ताओं ने इसे समुद्र मंथन की पौराणिक कथाओं में मदरांचल पर्वत पर लपेटे गए वासुकी नाग के अस्तित्व के रूप में स्वीकार किया है। आईआईटी के शोधार्थियों ने लिग्नाइट खदान में 27 विभिन्न अवशेष खोजे हैं। जिसे सर्प की रीड की हड्डी के रूप में पहचाना गया है। शोधकर्ताओं के अनुसार आज वासुकी नाग का अस्तित्व होता, तो वह आज के बड़े अजगर की तरह दिखता। यह खदान कच्छ के पंधरो क्षेत्र में स्थित है। इस शोध को साइंटिफिक रिपोर्ट जनरल में प्रकाशित किया गया है। शोध के मुख्य लेखक आईआईटी रुड़की के शोधार्थी देवजीत दत्ता है। खोजकर्ताओं को सर्प के सिर का अवशेष नहीं मिला है।

लोकसभा चुनाव 2024

लोकसभा चुनाव का पहला चरण सबसे ज्यादा पश्चिम बंगाल और सबसे कम बिहार में मतदान

नई दिल्ली।

लोकतंत्र के सबसे बड़े महापर्व लोकसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान शुक्रवार की शाम संपन्न हो गया। शाम 5 बजे तक के मतदान के आंकड़े की बात करें तो सबसे ज्यादा मतदाताओं ने पश्चिम बंगाल में मतदान किया है। इस मामले में बिहार सभी राज्यों और संघ शासित प्रदेशों से पिछड़ गया है। पश्चिम बंगाल में शाम 5 बजे तक सबसे अधिक 77.57 प्रतिशत मतदाताओं ने वोट डाला। वहीं, बिहार में सबसे कम सिर्फ 46.32 प्रतिशत मतदाताओं ने ही शाम 5 बजे तक वोट डाला है। अन्य राज्यों के मतदान प्रतिशत की बात करें तो त्रिपुरा में 76.10, असम में 70.77, पुडुचेरी में 72.84, मेघालय में 69.91, मणिपुर में 68.62, सिक्किम में 68.06, जम्मू कश्मीर में 65.08, अरुणाचल प्रदेश में 63.97, छत्तीसगढ़ में 63.41, लक्षद्वीप में 59.02, अंडमान एवं निकोबार द्वीप में 56.87, नागालैंड में 55.02, उत्तराखंड में 53.56 और मिजोरम में 53.03 प्रतिशत मतदान हुआ है। बड़े राज्यों की बात करें तो शाम 5 बजे तक प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश में 57.54, तमिलनाडु में 62.08, मध्य प्रदेश में 63.25, महाराष्ट्र में 54.85 और राजस्थान में 50.27 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है।

लोकसभा चुनाव- छिटपुट शिकायतों के बीच यूपी की आठ सीटों पर 58 फीसदी मतदान

लखनऊ ।

उत्तर प्रदेश की आठ लोकसभा सीटों पर शुक्रवार को औसतन 58 प्रतिशत मतदान हुआ। इस दौरान ईवीएम खराब होने, मतदाता सूची में नाम नहीं होने, कथित तौर पर पुलिस द्वारा मतदान से रोके जाने की शिकायतें भी दर्ज की गयीं। मतदान के लिए सुबह सात बजे से 11 बजे तक खासा उत्साह देखा गया। उसके बाद कड़ी धूप के चलते मतदान की गति थोड़ी धीमी हो गयी। लेकिन वहीं सूर्य देवता का ताप कम होते ही एक बार फिर पोलिंग बूथों पर मतदाताओं की भीड़ देखने को मिली। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिनवा ने बताया कि सहारनपुर, कैराना, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, नगीना, मुरादाबाद, रामपुर और पीलीभीत में मतदान सुबह सात बजे से शुरु हो गया था। सुबह से दोपहर 11 बजे तक मतदान में तेजी देखी गयी लेकिन भीषण गर्मी के कारण दोपहर 12 बजे के बाद मतदान में मामूली गिरावट दर्ज की जा रही है। मतदान शाम छह बजे तक चला। उन्होंने कहा कि निर्धारित समय के बाद भी कतार में लगे मतदाताओं को वोट डालने का अधिकार दिया गया। उन्होने बताया कि दोपहर तीन बजे तक बिजनौर में 55 फीसदी मतदान हो चुका था जबकि कैराना में 59 प्रतिशत, मुरादाबाद में 58 प्रतिशत, मुजफ्फरनगर में 55 प्रतिशत, नगीना में 58 प्रतिशत, पीलीभीत में 61 प्रतिशत, रामपुर में 53 प्रतिशत और सहारनपुर में 64 प्रतिशत मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर चुके थे। सभी स्थानों पर कड़ी सुरक्षा के बीच शांतिपूर्ण मतदान जारी है और कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं है। इन निर्वाचन क्षेत्रों में 73 पुरुष और सात महिलाओं सहित कुल 80 उम्मीदवार मैदान में हैं जिनमें भाग्य का फैसला एक करोड़ 43 लाख मतदाता करेंगें जिनमें 76.23 लाख पुरुष और 67.14 लाख महिला मतदाता शामिल है। उन्होने बताया कि सात हजार 693 मतदान केंद्रों में 14 हजार 845 पोलिंग बूथ पर मतदान के सुरक्षा के चाक चौबंद इंतजाम किये गये हैं।

आज देश में मजबूत सरकार...जो ना किसी के सामने झुकती है ना ही दबती : पीएम मोदी

कांग्रेस ने हथियार खरीदने में भी अपना स्वार्थ देखा

दमोह।

मध्य प्रदेश के दमोह में चुनावी रैली को संबोधित कर पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि ये भारत को दुनिया की बड़ी ताकत बनाने का चुनाव है। उन्होंने कहा कि जब दुनिया में युद्ध का माहौल हो, तब भारत में युद्ध स्तर पर काम करने वाली सरकार बहुत जरूरी है।तब एक मजबूत सरकार होनी चाहिए और यह काम पूर्ण बहुमत वाली भाजपा सरकार ही कर सकती है। उन्होंने कहा कि स्थिर सरकार कैसे देश और देशवासियों के हित में काम करती है, ये आप सभी ने बीते 10 वर्षों में देखा है। कोरोना का इतना बड़ा संकट आया, पूरी दुनिया में हाहाकार मचा। मजबूत भाजपा सरकार पूरी दुनिया से हर भारतीय को सुरक्षित वापस ले आई। पीएम ने कहा कि आज देश में भाजपा सरकार है, जो ना किसी से दबती है और न किसी के सामने झुकती है। हमारा सिद्धांत है, राष्ट्र प्रथम। भारत को सस्ता तेल मिले, इसके लिए देशहित में फैसला लिया। भारत के किसानों को पर्याप्त खाद मिले, इसलिए देशहित में फैसला लिया। उन्होंने कहा कि आज दुनिया के कितने ही देशों की स्थिति बहुत खराब है। कई देश दिवालिया हो रहे हैं। हमारा एक पड़ोसी, जो आतंक का सप्लायर था, वहां अब आटे की सप्लाई के लिए तरस रहा है। उन्होंने कहा कि ये धरती शूरवीरों और योद्धाओं की धरती है। मैं इस धरती के लोगों को इंडी गठबंधन की सच्चाई बताना चाहता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि दशकों तक, कांग्रेस ने भारत के डिफेंस सेक्टर को कमजोर बनाए रखा। ये लोग सेनाओं के लिए हथियार खरीदने में भी अपना स्वार्थ देखते हैं। उन्होंने कहा कि पूरे देश ने देखा कि कैसे इंडी गठबंधन के लोगों ने पूरी ताकत लगा दी कि वायुसेना को राफेल लड़ाकू विमान न मिल सके। कांग्रेस सरकार रही होती, तब तेजस फाइटर प्लेन भी आसमान की बुलंदियां नहीं देख पाता। मोदी ने कहा कि ये भाजपा सरकार है जो हमारी सेनाओं को आत्मनिर्भर बना रही है। भारत की पहचान अब दूसरे देशों को हथियार निर्यात करने वाले देश की बन रही है। पीएम मोदी ने कहा कि हर परिवार के लिए राशन और इलाज का खर्च मायने रखता है। यह देखकर मोदी ने आने वाले 5 वर्ष तक मुफ्त राशन की सुविधा बढ़ा दी है। ये मुफ्त राशन इसलिए, ताकि गरीब के घर का चूल्हा जलता रहे। आयुष्मान योजना ने भी गरीबों के लाखों रुपये खर्च होने से बचाएं हैं।

कांग्रेस ने कभी आतंकवाद के खिलाफ आवाज नहीं उठाई : योगी

अमरोहा ।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अमरोहा की रैली में पाकिस्तान का ज़िक्र कर कहा कि पड़ोसी देश में लोग भूख से लड़ रहे हैं, भारत में 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मिल रहा है। सीएम योगी ने कहा कि भगवा पार्टी का नारा फिर एक बार मोदी सरकार पूरे देश में गूंज रहा है। उन्होंने कहा कि बमुश्किल 23-24 करोड़ की आबादी वाला पाकिस्तान 1947 में बंटवारे के बाद बना था और आज भूखमरी से जूझ रहा है।

इसके अलावा बुलंदशहर में योगी ने कहा कि हम लोगों ने बदलते भारत को देखा। पिछले 10 वर्षों में भारत के प्रति सम्मान बढ़ा है, और सीमाएँ सुरक्षित हैं। नक्सलवाद और आतंकवाद की समस्या का समाधान हो गया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने ऐसी समस्याएं दीं जिससे न केवल कश्मीर में बल्कि पूरे देश में आतंकवाद बढ़ा। इतना ही नहीं कांग्रेस ने कभी आतंकवाद के खिलाफ आवाज नहीं उठाई। लेकिन अब कश्मीर में धारा 370 हटा दी गई है।

उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में प्रधानमंत्री जी ने पूरी मजबूती के साथ देश को दुनिया की अग्रणी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित करने का कार्य किया है। जनता का विश्वास एक बार फिर मोदी जी के साथ है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब हमें 'विकसित भारत', 'आत्मनिर्भर भारत' और 'ग्लोबल लीडर' (वैश्विक नेता) के रूप में आगे बढ़ने के लिए लोकतंत्र के महापर्व में भागीदारी सुनिश्चित करनी है, ताकि तीसरी बार फिर मोदी सरकार को देश का नेतृत्व सौंपकर ये लक्ष्य हासिल किए जा सकें।

बाबा रामदेव को आदेश, सभी शिकायतकर्ता को मामले में पक्षकार बनाएं

नई दिल्ली ।

बाबा रामदेव ने कोविड महामारी के दौरान एलोपैथिक दवाईयों को लेकर की गईं कथित टिप्पणियों के मामले में आपराधिक कार्रवाई पर रोक की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। शुक्रवार को याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने बाबा रामदेव को उनके खिलाफ शिकायत करने वाले सभी शिकायतकर्ता को मामले में पक्षकार बनाने का निर्देश दिया है। पटना और रायपुर के आईएमए ने साल 2021 में बाबा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में कहा गया था कि बाबा की कथित टिप्पणियों से लोगों को एलौपैथिक दवाईयों से मोहभंग हुआ और लोगों ने सही से इलाज नहीं कराया। इसकारण कोरोना को नियंत्रित करने में परेशानी हुई। बाबा की याचिका पर सुनवाई कर जस्टिस सुंदरेश और जस्टिस वराले की पीठ ने शिकायतकर्ताओं को पक्षकार बनाने को कह दिया। कोर्ट ने मामले पर सुनवाई गर्मियों की छुट्टियों के बाद तक के लिए टाल दी है। बिहार सरकार की ओर से कोर्ट में पेश हुए वकील ने कहा कि उन्हें मामले में जवाब दाखिल करने के लिए कुछ और समय चाहिए। बाबा ने अपनी याचिका में केंद्र सरकार, बिहार सरकार, छत्तीसगढ़ सरकार और आईएमए को पक्षकार बनाया हुआ है। बाबा रामदेव ने साल 2021 में अपने एक बयान में कहा था कि वे एलोपैथिक दवाओं पर विश्वास नहीं करते हैं। बाबा रामदेव के बयान से नाराज होकर उनके खिलाफ कई मामले दर्ज हुए थे।

नामांकन के बाद अमित शाह ने कहा - 400 पार के साथ लगाएंगे जीत की हैट्रिक

अहमदाबाद ।

गुजरात में सभी 26 सीटों पर तीसरे चरण के तहत 7 मई को वोटिंग होनी है और उसके लिए नामांकन पत्र दाखिल करने का आज अंतिम दिन है. नामांकन दाखिल करने के अंतिम दिन केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत भाजपा और कांग्रेस के कई उम्मीदवारों ने पर्चा भरा. गांधीनगर लोकसभा सीट से नामांकन दाखिल करने के बाद अमित शाह ने दावा किया कि अबकी बार 400 पार के साथ जीत की हैट्रिक लगाएंगे. अमित शाह ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी भी गांधीनगर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ चुके हैं. गांधीनगर की जनता का मुझे अपार स्नेह मिला है और मैंने अपने निर्वाचन क्षेत्र में 22 हजार करोड़ से अधिक कार्य किए हैं. मेरे लिए गर्व की बात यह है कि अटलजी और आडवाणीजी इसी सीट से चुनाव लड़ चुके हैं और मौजूदा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गांधीनगर निर्वाचन क्षेत्र के मतदाता हैं. भाजपा ने मुझे गांधीनगर सीट चुनाव लड़ने का अवसर दिया है. मैं एक बूथ संचालक से संसद तक पहुंचा हूं और इसके लिए मैं गांधीनगर की जनता का आभारी हूं जिन्होंने मुझे इतना प्यार दिया. केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि मौजूदा लोकसभा चुनाव में नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का चुनाव है. उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने देश को सुरक्षित किया है, देश को समृद्धशाली बनाया है और 80 करोड़ गरीबों के जीवन में नई आशा और उत्साह को पुनर्जीवित करने का काम किया है. गांधीनगर की जनता से अपील है कि भाजपा का भारी बहुमत से जिताएं. अमित शाह ने गांधीनगर समेत देशभर की जनता से मतदान करने की अपील की. साथ ही यह भी कहा कि सूर्य आकाश के मध्य पहुंचे उससे पहले सुबह 10.30 बजे से पहले मतदाता अपने परिवार समेत मतदान कर भाजपा को प्रचंड बहुमत से जीत दिलाए.

ब्रह्मोस मिसाइल फिलीपींस रवाना, दो साल पहले हुआ था समझौता

– भारत की रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने में ब्रह्मोस ने निभाई महत्वपूर्ण भूमिका

नई दिल्ली।

भारत की ब्रह्मोस मिसाइल जिसका दुनिया लोहा मान चुकी है। भारत ने फिलीपींस को ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइलों की आपूर्ति शुरू कर दी है। इसके तहत ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइलों का पहले सेट फिलीपींस रवाना कर दिया गया है। भारत-फिलीपींस के बीच 2022 में इस हथियार प्रणाली को लेकर 375 मिलियन अमेरिकी डॉलर का सौदा हुआ था। भारतीय वायुसेना (आईएएफ) मिसाइलों के साथ अपना सी-17 ग्लोबमास्टर मालवाहक विमान फिलीपींस भेज रही है। मिसाइलों को फिलीपीन मरीन कॉर्प्स को सौंपा जाएगा। सूत्रों ने बताया कि हथियार प्रणालियों को समुद्री मार्ग से भी पहुंचाया गया, जहां मालवाहक जहाजों को किराए पर लिया गया था। उन्होंने बताया कि मिसाइलों के साथ ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल प्रणाली के लिए जमीनी प्रणाली का निर्यात पिछले महीने ही शुरू हो गया था। फिलीपींस को यह मिसाइल प्रणाली ऐसे समय दी जा रही है, जब दक्षिण चीन सागर में झड़पों के कारण फिलीपींस का चीन के साथ तनाव बढ़ रहा है। ब्रह्मोस मिसाइल को फिलीपींस अपने तटीय क्षेत्रों में तैनात करेगा, ताकि क्षेत्र को खतरों से बचाया जा सके। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और रूसी संघ के एनपीओ माशिनोस्ट्रोयेनिया के बीच संयुक्त उद्यम ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल को दुनिया के सबसे सफल मिसाइल कार्यक्रमों में से एक माना जाता है। ब्रह्मोस ने भारत की रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

भारत का समर्थन

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता पर भारत की दावेदारी दिनोंदिन मजबूत होती जा रही है। अमेरिका ने फिर एक बार भारत की स्थायी सदस्यता के अनुकूल टिप्पणी की है। दरअसल, दुनिया के सबसे अमीर लोगों में शुमार टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने यह मामला उठाया था और उस पर पूछे गए सवाल का अमेरिकी विदेश विभाग ने जवाब दिया है। एक प्रेस वार्ता के दौरान, अमेरिकी विदेश विभाग के प्रधान उप-प्रवक्ता वेदांत पटेल ने कहा है कि राष्ट्रपति ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपनी टिप्पणियों में पहले भी इस बारे में बात की है और हम निश्चित रूप से सुरक्षा परिषद सहित संयुक्त राष्ट्र संस्था में सुधारों का समर्थन करते हैं। अमेरिका का यह कूटनीतिक जवाब भारत के साथ-साथ एलन मस्क को भी खुश करने की दिशा में अगर दिया गया है, तो भी इसके महत्व को समझा जा सकता है। अमेरिका का हर बयान सोची-समझी रणनीति के तहत होता है और चूंकि भारत सरकार आने वाले दिनों में एलन मस्क के लिए देश के दरवाजे खोलने वाली है, इसलिए भी एलन मस्क और अमेरिका के विचारों की बयार भारत की दिशा में बह रही है। यह खुशी की बात जरूर है, पर ऐसा नहीं कि इससे भारतीय लोग अभिभूत हो जाएं। भारत में जब टेस्ला के उत्पादों की बिक्री बढ़ेगी, तब जाहिर है, मस्क के साथ ही अमेरिका फायदे में रहेगा। विगत तीन महीने से एलन मस्क को यह एहसास हुआ है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत का न होना बेतुका है। भारत सबसे बड़ी आबादी वाला लोकतंत्र है और उसे अफ्रीका महादेश के साथ सुरक्षा परिषद में शामिल किया जाना चाहिए। ध्यान रहे, सुरक्षा परिषद में अमेरिका, रूस, फ्रांस, इंग्लैंड और चीन स्थायी सदस्य हैं। यह अक्सर कहा जाता है कि भारत ने उदारतावश अपनी जगह चीन को सौंप दी थी, पर आज की सबसे बड़ी सच्चाई यह है कि चीन ही सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता का सबसे बड़ा विरोधी है। फ्रांस, अमेरिका, रूस तो समय-समय पर भारत का पक्ष लेते रहे हैं, पर इन देशों ने भी कोई ठोस पहल नहीं की है। कथनी और करनी में जमीन-आसमान का फर्क है। जैसे ही सुरक्षा परिषद के विस्तार की बात चलती है, अनेक देशों के नामों की चर्चा शुरू हो जाती है, ऐसा जान-बूझकर किया जाता है, ताकि विचारों की खींचातानी में निर्णय टल जाए। यह बात दुनिया का हरेक देश जानता है कि संयुक्त राष्ट्र धीरे-धीरे अप्रभावी होता जा रहा है। आक्रामक देशों के सामने नख-दंत हीन होता जा रहा है। यह देखने वाली बात है कि ज्यादातर देशों में तानाशाह जैसे नेता सत्ता में हैं, जो साम्राज्यवादी मनसूबे पाले हुए हैं। सुरक्षा परिषद के दो स्थायी सदस्यों रूस और चीन की विस्तारवादी नीतियां तो संयुक्त राष्ट्र के कारगर होने में अब सबसे बड़ी बाधा हैं। जिस चीन की नजरें भारतीय जमीन पर गड़ी हैं, वह भला क्यों चाहेगा कि भारत विश्व स्तर पर ज्यादा रसूखदार हो जाए? मगर यह समय का तकाजा है कि भारत को दुनिया में आज नहीं, तो कल उचित स्थान देना ही पड़ेगा। जैसे एलन मस्क ने भारत के पक्ष में मुंह खोला है, ठीक उसी तरह से भारतीय भूमि या विशाल बाजार से भरपूर लाभान्वित होने वाले देश और दुनिया के अन्य उद्यमियों को भी भारत की पैरोकारी मजबूती से करनी चाहिए। हमारे विदेश मंत्री एस जयशंकर का यह कहना बहुत सही है कि 'दुनिया आसानी से और उदारता से चीजें नहीं देती है; कभी-कभी आपको उन्हें लेना पड़ता है।'

आज का राशीफल

मेष व्यावसायिक समस्या सुलझाने में आप सफल होंगे। वाणी की सौम्यता आपके लिए लाभदायी होगी। शासन सत्ता का सहयोग रहेगा। आर्थिक लाभ होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। प्रणय संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

कर्क पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

सिंह दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। तनाव व टकराव की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी।

कन्या शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। आपके पराक्रम तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

वृश्चिक बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ की उलझनें रहेंगी।

धनु व्यावसायिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मकर जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। खान-पान में सावधानी रखें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

कुम्भ पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समय गुजरेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबंध मिलेंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

मीन शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। भाई या पड़ोसियों से अकारण विवाद हो सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

भारत का सकल घरेलू उत्पाद अगले 50 वर्षों में 52 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो जाने की सम्भावना

(लेखक- प्रहलाद सबनानी)

गोल्डमेन सेच्स नामक अंतरराष्ट्रीय निवेश संस्थान ने अपने एक रिसर्च पेपर में बताया है कि आगे आने वाले 50 वर्षों में भारत का सकल घरेलू उत्पाद 52 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो जाएगा। इस प्रकार भारत इस संदर्भ में अमेरिका को भी पीछे छोड़ते हुए विश्व में प्रथम स्थान पर आ जाएगा। वर्तमान में भारत विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष एवं विश्व बैंक आदि विभिन्न वित्तीय संस्थानों ने भी आगे आने वाले समय में भारत की आर्थिक वृद्धि दर को 7.2 प्रतिशत रहने की प्रबल संभावनाएं जताईं हैं। जबकि, आज विश्व के कई देश, विशेष रूप से ब्रिटेन, जर्मनी आदि, आर्थिक संकुचन के दौर से गुजर रहे हैं। रूस यूक्रेन युद्ध के चलते कई विकसित देश तो ऊर्जा की कमी के संकट से जूझ रहे हैं। भारत के विदेशमंत्री, डॉक्टर एस जयशंकर भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विश्व के लगभग समस्त सशक्त देशों के साथ अच्छे सम्बंध बनाने में सफल रहे हैं। आज रूस को भी भारत की आवश्यकता है तो अमेरिका को भी। रूस, भारत को कच्चे तेल एवं सुरक्षा के लिए भारी मात्रा में शस्त्र उपलब्ध कराता है। वर्ष 2022 में भारत ने रूस से 4,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का सामान आयात किया था। वर्ष 2023 में यह बढ़कर 5,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर होने की प्रबल सम्भावना है। वहीं अमेरिका, भारत को अपना स्ट्रेटेजिक सहयोगी मानता है। आज विश्व की समस्त बड़ी शक्तियां भारत के साथ सौहार्द पूर्ण सम्बंध चाहती हैं। रूस, अमेरिका, यूरोपीयन देश एवं अरब देश भारत के साथ अपने व्यापार को विस्तार देना चाहते हैं। रूस भी भारत के साथ अच्छे सम्बंध चाहता है तो यूक्रेन भी। उधर इजराईल भी भारत के साथ अच्छे सम्बंध चाहता है तो इरान भी। भारत जी-20 समूह का सदस्य है तो भारत यू2आई2 एवं ब्रिक्स का भी सदस्य है। इस प्रकार कुल मिलाकर भारत का डंका आज पूरे विश्व में बज रहा है। आज भारत के पास विश्व की चौथी सबसे बड़ी फौज है। पश्चिमी बॉर्डर पर चीन से युद्ध की स्थिति में भारत आज इससे निपटने को पूर्णत- तैयार है।

भारत के पास आज युवा जनबल है। भारत की 66 प्रतिशत जनसंख्या 35 वर्ष की कम आयु की है। 40 प्रतिशत जनसंख्या 13 से 35 वर्ष के बीच में है। भारत के पास 35 वर्ष से कम आयु की जनसंख्या अमेरिका की कुल जनसंख्या से भी अधिक है। इसके विपरीत चीन, जापान, इटली, फ्रान्स आदि कई देशों की जनसंख्या अब धीमे धीमे कम हो रही है। इन देशों में आर्थिक गतिविधियों को बनाए रखने के लिए आज युवाओं की सख्त आवश्यकता है जो पूरे विश्व में केवल भारत ही उपलब्ध करा सकता है। वर्ष 2064 तक भारत की जनसंख्या बढ़ती रहेगी, ऐसी सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इस प्रकार वैश्विक स्तर पर भारत विश्व में विकास के इंजन के रूप में अपनी भूमिका लम्बे समय तक निभाता रहेगा।

उक्त संदर्भ में दूसरा सबसे बड़ा कारण बताया गया है, भारत में हाल ही के समय में किया गया डिजिटलीकरण। इससे देश के ग्रामीण इलाकों में भी नागरिकों की दक्षता एवं उत्पादकता बढ़ गई है। भारत में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग की वित्तीय एवं बैंकिंग संस्थानों द्वारा भरपूर आर्थिक सहायता की जा रही है इससे यह उद्योग तेजी से आगे बढ़ रहे हैं एवं देश में रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित कर रहे हैं। पूर्व में केवल बड़े उद्योगों को ही बैकों द्वारा वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाती रही है परंतु भारत में अब यह ट्रेंड बदला है। कोविड महामारी के बाद से तो इस सम्बंध में बड़ा बदलाव देखने में आया है। डिजिटलीकरण के कारण छोटे छोटे व्यवसाईयों की क्रेडिट हिस्ट्री निर्मित हो रही है जिसके कारण बैकों को इन छोटे छोटे व्यापारियों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने में आसानी हो रही है। 'आधार' ने तो देश के समस्त नागरिकों की एक अलग पहचान ही बना दी है। यूपीआई प्लेटफोर्म ने भी इस संदर्भ में ग्रामीण इलाकों में रोकड़ के उपयोग को कम कर डिजिटल प्लेटफोर्म पर वित्तीय व्यवहारों को हस्तांतरित किया है। छोटे छोटे व्यवसाईयों, किसानों, सामान्य नागरिकों को भी वित्तीय प्लेटफोर्म पर लाने में यह डिजिटलीकरण बहुत सफल रहा है। इससे वित्तीय समावेशन का कार्य भी आसान बन पड़ा है। भारत में डिजिटल व्यवहारों की संख्या आज संयुक्त रूप से अमेरिका, चीन एवं यूरोप से भी अधिक है। जबकि अमेरिका, चीन एवं यूरोप के देश भारत से अधिक विकसित देश हैं। इससे यह झलकता है कि भारत ने डिजिटलीकरण के मामले में पूरे विश्व को पीछे छोड़ दिया है। अब तो भारत का यूपीआई सिस्टम अमेरिका के स्विफ्ट पेमेंट सिस्टम को भी पीछे छोड़कर वैश्विक स्तर पर डिजिटलीकरण के मामले में अपनी धाक जमाने की ओर आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत का यूपीआई सिस्टम सिंगापुर, फ्रान्स, श्रीलंका एवं यूएई में लागू किया जा चुका है। भारत के प्रधानमंत्री ने फ्रान्स में भारतीय यूपीआई सिस्टम का उद्घाटन किया था, ताकि फ्रान्स में जाने वाले पर्यटक यूपीआई सिस्टम के माध्यम से फ्रान्स में वित्तीय व्यवहार कर सकें। न्यूजीलैंड में भी यूपीआई को लागू किए जाने पर विचार किया जा रहा है।

उक्त संदर्भ में तीसरा सबसे बड़ा कारण है चीन के, विस्तरवादी नीतियों के चलते, विश्व के अन्य देशों के साथ लगातार खराब होते सम्बंध। आज विश्व के कई देश चीन के साथ आर्थिक व्यवहार करने से कतराने लगे हैं। यह स्थिति भारत के आर्थिक विकास को गति दे सकती है क्योंकि चीन+1 की नीति का अनुपालन विश्व के कई विकसित देश आज करने लगे हैं एवं ये देश भारत में विनिर्माण के क्षेत्र में अपनी इकाईयों को स्थापित करते जा रहे हैं। ताईवान आदि देशों पर चीन की नीति की पूरे विश्व में भर्त्सना हो रही है। चीन के अपने बॉर्डर पर लगने वाले लगभग समस्त देशों के साथ चीन के सम्बंध अच्छे नहीं हैं। इन देशों का चीन पर अब भरोसा समाप्त सा होता जा रहा है। ऐपल एवं टेस्ला जैसी कम्पनियां अब भारत में अपनी विनिर्माण इकाईयां स्थापित कर रही हैं। ऐपल ने तो अपने आईफोन-15 का उत्पादन भारत में चालू भी कर दिया है। इससे भारत में न केवल रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं बल्कि विदेशी निवेश भी बढ़ रहा है। आज भारत में विदेशी मुद्रा भंडार 65,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर के आसपास रिकार्ड स्तर पर पहुंच गए हैं। साथ ही, आज भारत का पूंजी बाजार (स्टॉक मार्केट) विश्व में चौथे स्थान पर आ गया है।

भारत द्वारा अपने बुनियादी ढांचे को विकसित करने में भारी भरकम राशि खर्च की जा रही है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में 11.11 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि का बजट बुनियादी ढांचे के लिए निर्धारित किया गया है, जबकि वित्तीय वर्ष 2023-24 में 10 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि इस मद पर खर्च की गई थी। अयोध्या, वाराणसी, उज्जैन, हरिद्वार, जम्मू कश्मीर जैसे अन्य कई धार्मिक स्थलों को विकसित किया जा रहा है ताकि धार्मिक पर्यटन को भारत में बढ़ावा दिया जा सके। इन शहरों के बुनियादी ढांचे का अतुलनीय विकास किया जा रहा है। जिससे रोज़गार के लाखों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं। एयरपोर्ट की संख्या पिछले 10 वर्षों में दुगने से भी अधिक होकर 150 तक पहुंच गई है और इसे वर्ष 2025 तक 200 की संख्या तक ले जाया जा रहा है। रेल्वे का विद्युतीकरण किया गया है। रेलगाड़ियों की स्पीड बढ़ाई गई है, जिससे देश में कार्यक्षमता के स्तर में सुधार हो रहा है। भारत के बड़े शहरों में मेट्रो रेल का जाल बिछाया जा रहा है। आज भारत का रोड नेट्वर्क चीन से भी अधिक होकर विश्व में केवल अमेरिका के बाद दूसरे स्थान पर आ गया है। भारत सरकार की वर्ष 2024 से वर्ष 2030 के बीच देश के बुनियादी ढांचे को विकसित करने पर 2 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि खर्च करने की योजना है। इस प्रकार भारत को वर्ष 2047 तक विकसित देशों की श्रेणी में शामिल करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। वर्ष 2027 तक भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा, ऐसी सम्भावना भी व्यक्त की जा रही है।

नारा चार सौ पार का, सामना बहिष्कार का ?

(लेखिका - निर्मल रानी)

देश में चुनावी सरगर्मियां अपने चरम पर हैं। सत्ताधारी भाजपा जहाँ अब की बार चार सौ पार के नारे के साथ विपक्ष पर मनोवैज्ञानिक दबाव डालने की कोशिश कर रही है वहीं संयुक्त विपक्ष इण्डिया गठबंधन भाजपा की सत्ता में वापसी रोकने के लिये एड़ी छोटी का ज़ोर लगाये हुये है। सत्ता व विपक्ष के बीच हो रहे इस चुनावी दंगल से इतर विभिन्न राज्यों से यह ख़बरें भी आ रही हैं कि आम नागरिकों द्वारा इस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशियों का न केवल बहिष्कार किया जा रहा है बल्कि कई जगह तो हिंसक विरोध से लेकर भाजपा प्रत्याशियों के विरुद्ध प्रदर्शन तक किये जा रहे हैं । कई जगह तो ग्राम वासियों ने बाक़ायदा बहिष्कार व चेतावनी सम्बन्धी साइन बोर्ड भी लगा दिये हैं। तो क्या हरियाणा,पंजाब,उत्तर प्रदेश व उत्तरांचल सहित कई अन्य राज्यों में हो रहे इस तरह के बहिष्कार यह साबित नहीं करते कि भाजपा का चार सौ पार का नारा महज़ एक चुनावी शगूफ़ा है ? अभी गत 30 मार्च को ही मुज़फ़्फ़र नगर में रात करीब साढ़े आठ बजे खतौली क्षेत्र के मढ़करीमपुर गांव में चुनावी सभा के दौरान केंद्रीय राज्यमंत्री डॉ. संजीव बालियान के क़ाफ़िले की गाड़ियों पर जमकर पथराव किया गया। ख़बरों के अनुसार इस पथराव में 10 से अधिक भाजपा कार्यकर्ता घायल हो गये। सभास्थल के समीप की छतों से पथराव शुरू होते ही सभा में भगदड़ मच गई।समाचारों के अनुसार पथराव के साथ ही हमलावरों ने भाजपा व केंद्रीय राज्यमंत्री डॉ. बालियान के विरुद्ध नारे बाज़ी भी की। इस पथराव में हमलावरों द्वारा खतौली के पूर्व विधायक विक्रम सैनी की गाड़ी को क्षति ग्रस्त कर दिया गया। भाजपा ने इस घटना को विपक्ष की साज़िश क़रार दिया है। इसी तरह गत 6 अप्रैल को जिस समय रामायण सीरियल के राम अरुण गोविल जिन्हें भाजपा ने मेरठ से पार्टी उम्मीदवार बनाया है वे स्थानीय भाजपा नेताओं के साथ प्रचार रथ पर सवार होकर रोड शो निकाल रहे उस समय जनता ने उनका जमकर विरोध किया व मुर्दाबाद के नारे लगाये। अरुण गोविल वापस जाओ-वापस जाओ के नारे भी देर तक लगाये गये। उनके रथ को स्थानीय लोगों ने जबरन रोक भी लिया। प्रदर्शनकारी भाजपा व अरुण गोविल के विरुद्ध नारेबाज़ी करते समय अपने हाथों में चुनाव बहिष्कार के पोस्टर लेकर रथ के आगे खड़े हो गये। और कई जगह चुनाव बहिष्कार के पोस्टर चिपका दिये गये। प्रदर्शनकारी महिलाएं चुनाव बहिष्कार के पोस्टर लेकर प्रचार रथ के आगे आईं और ग़ुस्साये लोगों ने प्रचार रथ पर चढ़ने का भी प्रयास किया। पश्चिमी उत्तर प्रदेश से ही भाजपा के और भी कई उम्मीदवारों के विरोध व उनके बहिष्कार की ख़बरें प्राप्त हुई हैं।

इसी तरह मेरठ से लेकर सहारनपुर तक राजपूत समाज बड़ी बड़ी पंचायतें कर भाजपा को वोट न देने और भाजपा प्रत्याशियों का विरोध करने का आह्वान कर रहा है। पश्चिम यूपी में ठाकुर चौबीसी जो पूर्व में भाजपा का साथ देती रही है उसी ठाकुर चौबीसी ने इसबार भाजपा के बहिष्कार की घोषणा कर दी है। हालांकि राजपूत समाज की नाराज़गी का कारण पश्चिमी उत्तर प्रदेश में टिकट वितरण में राजपूत समाज की अनदेखी बताया जा रहा है। राजपूत समाज गाज़ियाबाद से सांसद वी. के. सिंह का लोकसभा टिकट काटने के भी ख़िलाफ़ है। राजपूत उत्थान सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय सोम तो साफ़ तौर पर घोषणा कर चुके हैं कि हम भाजपा और मुज़फ़्फ़र नगर लोकसभा प्रत्याशी डॉ संजीव बालियान का खुलकर विरोध करेंगे। उनके अनुसार जब ठाकुरों को प्रतिनिधित्व ही नहीं दिया जा रहा तो राजपूत भाजपा को वोट क्यों दें? केवल राजपूत ही नहीं बल्कि त्यागी और सैनी जैसा इस क्षेत्र का प्रमुख समाज भी पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अपने कम प्रतिनिधित्व से असंतुष्ट होने की बात कर रहा है। गांव गांव इस आशय के पोस्टर लगे हैं कि पूरे पश्चिमी यूपी में इस बार ठाकुर भाजपा से आर पार करेंगे। इसी तरह सहारनपुर- दिल्ली हाईवे पर स्थित ननौता गांव में गत 7 अप्रैल को हज़ारों की संख्या में राजपूत बिरादरी के लोग इकट्ठा हुये। इस से भाजपा के भीतर खलबली मच गई। क्षत्रिय समाज की संघर्ष समिति की ओर से नानौता में आयोजित इस सम्मेलन को क्षत्रिय स्वाभिमान महाकुंभ का नाम दिया गया जिसमें पश्चिमी यूपी के कई जिलों सहित राजस्थान और हरियाणा से भी ठाकुर समाज के लोग बड़ी संख्या में पहुंचे। यहाँ तक कि भीड़ ने हाइवे को भी पूरी तरह से जाम कर दिया। इस सभा में वक्ताओं का कहना था कि उनके इतिहास के साथ छेड़छाड़ की जा रही है। राजनीतिक द्वेष की भावना से राजपूत समाज को कमज़ोर किया जा रहा है। इस महाकुंभ में सम्राट मिहिर भोज और लोकसभा चुनाव में टिकट बंटवारे का मुद्दा ज़ोर शोर से उठाया गया। ग़ौर तलब है कि गुर्जर और ठाकुर समाज के लोग सम्राट मिहिर भोज पर अपनी-अपनी जाति का होने का दावा करते आ रहे हैं। जिसे लेकर दोनों ही समाज में एक दूसरे के प्रति असंतोष है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में और भी कई जगह इस तरह की महापंचायत करने का निर्णय लिया गया है। उत्तरांचल में अनेक लोगों ने गंगा किनारे खड़े होकर भाजपा को हारने का संकल्प लिया। उनका असंतोष अंकिता भंडारी को न्याय न मिलने और अग्निवीर योजना लागु करने को लेकर था। हरियाणा के भी कई क्षेत्रों में न केवल भाजपा का विरोध हो रहा है बल्कि सत्ता में भाजपा की मनोहर लाल खट्टर सरकार की लगभग चार वर्षों तक सहयोगी रही जननायक जनता पार्टी (जजपा) का भी जमकर विरोध किया जा रहा है। ग्रामीण इन्हें किसान विरोधी पार्टी के रूप में देख रहे हैं। हरियाणा के जींद ज़िले के दुराना गांव के ग्रामीणों ने गांव के बाहरी इलाक़े में एक साइन बोर्ड लगाया हुआ है जिस पर स्पष्ट शब्दों में लिखा गया है कि बीजेपी-जेजेपी नेताओं को इस गांव में प्रवेश करने की अनुमति नहीं है। इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला करते हैं। उन्हें भी 2020-21 में हुये किसान आंदोलन के दौरान उनके अपने ही निर्वाचन क्षेत्र में प्रवेश करने की अनुमति किसानों ने नहीं दी थी। संयुक्त किसान मोर्चा की तरफ़ से तो भारतीय जनता पार्टी के सभी उम्मीदवारों का विरोध करने का निर्णय लिया जा चुका है। ख़बरों के अनुसार इसतरह के व्यापक विरोध को देखते हुए पार्टी नेताओं ने ग्रामीण क्षेत्रों के दौर भी बंद कर दिए हैं। हरियाणा के ही ग्राम पंचायत खिड़वाली में गांव के प्रवेश द्वारा पर लगे एक बोर्ड पर ग्रामवासियों ने लिखा है कि ग्राम पंचायत खिड़वाली बी जे पी व जे जे पी के नेताओं का बहिष्कार करती है। गांव में घुसने पर जान माल के खुद ज़िम्मेदार होंगे। पंजाब,हरियाणा सहित और भी कई राज्यों में भाजपा के इसी तरह के खुले विरोध की ख़बरों के बीच यह ख़बर भी आ रही है कि जहाँ विरोध नहीं भी हो रहा वहां भाजपा नेताओं को सुनने के लिये भीड़ भी नहीं इकट्ठी हो रही। कई जगह पैसे देकर मज़दूरों के हाथों में भाजपा के झंडे थमा कर उन्हें रैलियों में शामिल किया जा रहा है। ऐसे हालात में यह प्रश्न उठना स्वभाविक है कि चार सौ पार का नारा देने वाली भाजपा को आख़िर इस तरह के व्यापक विरोध व बहिष्कार का सामना क्यों करना पड़ रहा है ?

विचार मंथन

इजराइल का ईरान पर हमला विश्व में मचेगा हाहाकार

(लेखक- सनत जैन)

इजरायल ने ईरान के ऊपर जबाबी हमला कर दिया है। इस जवाबी हमले के बाद सारी दुनिया के देशों में हाहाकार मचना तय है। इजराइल ने ईरान के कई शहरों और एयरपोर्ट पर खतरनाक मिसाइलों से हमला किया है। ईरान के इसाफहान शहर के एयरपोर्ट पर जबरदस्त धमाका सुना गया है। यहीं पर ईरान की न्यूक्लियर साइड भी मौजूद है। इस हमले के दो महत्वपूर्ण प्रभाव सारी दुनिया के देशों में होंगे। पहला कच्चे तेल की आपूर्ति प्रभावित होने से तेल के दाम बड़ी तेजी के साथ बढ़ेंगे। इसमें दुनिया के वह देश जो इस लड़ाई में प्रत्यक्ष रूप से शामिल नहीं हैं, उनके ऊपर भी इस युद्ध का असर होगा। दूसरा जो देश प्रत्यक्ष रूप से इस युद्ध में भाग लेंगे या समर्थन दे रहे हैं उन देशों को भी इसका बड़ा खामियाजा भुगतना पड़ेगा। भारत के लिए यह बड़ी चिंता का विषय है। भारत के संबंध ईरान और इजराइल दोनों के साथ हैं। गुरुवार की रात को इजराइल ने ईरान के इसाफ़न प्रांत में हमला किया है। यहां पर ईरान के परमाणु ठिकाने और यूरेनियम संवर्धन प्रमुख केंद्र हैं। ईरान और इजरायल के बीच चल रहे तनाव का मामला संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद में भी उठा था। सुरक्षा परिषद भी दोनों देशों के तनाव को कम करने में कोई सार्थक भूमिका नहीं निभा पाई। इजराइल के जवाबी हमला करने के बाद भारत को आर्थिक और सामरिक दृष्टि से बड़ा नुकसान होना तय है। ईरान की फौज ने इजराइल का एक माल वाहक जहाज जप्त करके रखा है। इसमें 25 चालक दल में 17 भारतीय थे। ईरान ने मात्र एक महिला चालक को छोड़ा है। शेष सभी ईरान की हिरासत में हैं। इजराइल और ईरान लंबे समय से एक दूसरे के ऊपर छुटपुट हमले करते रहे हैं। लेकिन अब इस युद्ध में अमेरिका, यूरोपीय देशों के साथ-साथ रूस और चीन भी हस्तक्षेप कर रहे हैं। इस कारण तीसरे विश्व युद्ध की आशंका बन गई है। 1 अप्रैल को इजराइलियों ने दमिशक में एक ईरानी काउंसलेट पर हमला किया था। इस हमले में ईरान के साथ वरिष्ठ अधिकारी मारे गए थे। इस हमले के बाद ईरान को इजराइल के खिलाफ सीधी जवाबी कार्रवाई करनी पड़ी। बदले में गुरुवार की रात इजराइल ने भी ईरान पर सीधा जबाबी हमला कर दिया है। जिसके कारण सारी दुनिया के देशों में तनाव की स्थिति बन गई है। ईरान के हमले से बचाव के लिए अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जॉर्डन और सऊदी अरब इजराइल की मदद में खड़े हुए हैं। दूसरी ओर ईरान की सहायता के लिए रूस और चीन खुलकर सामने आ गए हैं। इजराइल द्वारा गाजा में जिस तरीके का विनाश हमास से युद्ध करने के नाम पर फिलिस्तीनी नागरिकों का किया है। संयुक्त राष्ट्र संघ और सुरक्षा परिषद की बात को इजराइल ने नहीं माना। उसके बाद से ही स्थिति दिन प्रतिदिन खराब होती चली जा रही है। 7 अक्टूबर को इजराइल ने हमास के ऊपर हमला किया था। उसके बाद भारत ने सऊदी अरब, ईरान, इजराइल, मिश्र और फिलिस्तीन के नेताओं से युद्ध को रोकने के लिए अपने स्तर पर सभी ने प्रयास किए, लेकिन भारत के कोई भी प्रयास सफल नहीं हुए। इजराइल लगातार हमास पर हमला करता रहा। हजारों लोगों की मौत हो गई। अक्टूबर से अभी तक चल रहे इस युद्ध में इजराइल के हाथ भी कुछ नहीं आया है। फिलिस्तीन और गाजा में भारी नुकसान हुआ। वहां की आम जनता को सबसे ज्यादा नुकसान उठाना पड़ा। ऐसा नरसंहार इसके पहले कभी दुनिया के किसी भी देश में देखने को नहीं मिला। इजराइल और हमास के युद्ध में एक साथ हजारों बच्चों और महिलाओं की मौत हुई है। वहां पर भुखमरी फैली हुई है। रेड क्रॉस और अन्य संस्थाएं वहां मदद नहीं पहुंचा पा रही हैं। भारत के ईरान और इजरायल के साथ बहुत अच्छे संबंध हैं। भारत ने इजराइल से 2। 9 अरब डालर मूल्य के मिसाइल, रडार, निगरानी ड्रोन, लड़ाकू विमान इत्यादि खरीदे हैं। अमेरिका का प्रतिबंध होते हुए भी भारत ने तेल, गैस ईरान से बड़ी मात्रा में खरीदा है। ईरान से कच्चे तेल का सबसे बड़ा आयातक भारत है। जिस तरह से ईरान और इजरायल एक दूसरे के ऊपर हमले कर रहे हैं। इसका बड़ा असर कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति पर होगा। कच्चे तेल और गैस की कीमतें बड़ी तेजी के साथ बढ़ सकती हैं। इसका असर सारी दुनिया के देशों में होगा। जल मार्ग भी बाधित होगा। जिसके कारण आयात और निर्यात को लेकर बहुत बड़ी बाधा उत्पन्न होगी। इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते हुए तनाव से तीसरे विश्व युद्ध की आशंका से सारी दुनिया के देश भयाक्रांत हैं। आश्चर्य की बात यह है, कि संयुक्त राष्ट्र संघ और सुरक्षा परिषद जैसी अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं शांति बहाल करने में अपना योगदान नहीं दे पा रही हैं। इसने चिंता को और भी बढ़ा दिया है। यूक्रेन और रूस के बीच में पहले ही युद्ध चल रहा है इजराइल और हमास के बीच में भी पिछले 7 महीने से भयंकर युद्ध हो रहा है दुनिया के देश दो भागों में बट रहे हैं परमाणु हमले की आशंका जताई जा रही है ऐसी स्थिति में यदि तृतीय विश्व युद्ध हुआ तो यह अभी तक के विनाश का सबसे बड़ा कारण बनेगा।

नियमों का उल्लंघन करने वाले बैंकों पर लगा जुर्माना

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने विभिन्न नियामक मानदंडों के उल्लंघन के लिए पांच सहकारी बैंकों पर कुल 60.3 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। राजकोट नागरिक सहकारी बैंक पर 43.30 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। यह जुर्माना निदेशकों और उनके रिश्तेदारों को कर्ज और अग्रिम पर प्रतिबंध समेत अन्य बातों को लेकर रिजर्व बैंक के निर्देशों का पालन न करने को लेकर लगाया गया है। केंद्रीय बैंक ने द कांगड़ा को-ऑपरेटिव बैंक (नई दिल्ली), राजधानी नगर सहकारी बैंक (लखनऊ) और जिला सहकारी बैंक, गढ़वाल (कोटद्वार, उत्तराखंड) पर 5-5 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। इसके अलावा जिला सहकारी बैंक (देहरादून) पर दो रुपए का जुर्माना लगाया गया है। रिजर्व बैंक ने कहा कि प्रत्येक मामले में, जुर्माना नियामक अनुपालन में कमियों पर आधारित है और इसका उद्देश्य बैंकों द्वारा अपने संबंधित ग्राहकों के साथ किए गए समझौते के किसी भी लेनदेन की वैधता को प्रभावित करना नहीं है।

विदेशी अवैध सट्टेबाजी तथा जुए से 2.5 अरब डॉलर का नुकसान

नई दिल्ली । गेमिंग उद्योग निकाय ऑल इंडिया गेमिंग फेडरेशन (एआईजीएफ) ने कहा कि विदेशी अवैध सट्टेबाजी तथा जुए से जुड़ी इकाइयां सरकारी खजाने को प्रति वर्ष 2.5 अरब अमेरिकी डॉलर का नुकसान पहुंचा रही हैं। संगठन ने सरकार से ऐसे मंचों पर अंकुश लगाने के लिए तत्काल कार्रवाई की मांग की है। एआईजीएफ के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि विदेशी संस्थाएं अवैध सट्टेबाजी और जुए से विभिन्न खेलों को जोड़ती हैं, जिससे उपयोगकर्ता वैध तथा अवैध गेमिंग के बीच अंतर नहीं कर पाते। अवैध विदेशी इकाइयां उपयोगकर्ताओं को नुकसान पहुंचाती हैं। इससे भारत में वैध उद्योग को भी नुकसान पहुंच सकता है। विदेशी अवैध सट्टेबाजी तथा जुआ मंच एक साल में 12 अरब अमेरिकी डॉलर की राशि एकत्र कर रहे हैं, जिसका मतलब है कि सरकार को जीएसटी राजस्व में कम से कम 2.5 अरब अमेरिकी डॉलर का नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा कि विदेशी संस्थाओं ने उपयोगकर्ताओं को लुभाने के लिए मौजूदा आईपीएल सीजन के दौरान विज्ञापनों में वृद्धि की है। उनमें से कुछ इतनी हिम्मत दिखा रहे हैं कि उनके मंच पर कोई जीएसटी या टीडीएस नहीं लगने का बेबाकी से प्रचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अवैध मंचों के खतरे को रोकने में मदद के लिए सरकार को स्व-नियामक संगठन (एसआरओ) जैसे मॉडल में तेजी लानी चाहिए।

पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमत में शुक्रवार को तेजी का रुख है। पिछले 24 घंटे में ब्रेंट क्रूड 2 डॉलर प्रति डॉलर से ज्यादा उछलकर 90 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 85 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने शुक्रवार को पेट्रोल-डीजल के मूल्य में कोई बदलाव नहीं किया है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये, डीजल 92.15 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपये, डीजल 90.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के पांचवें दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 2.29 डॉलर की उछाल के साथ 89.40 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 2.25 डॉलर की बढ़त के साथ 84.98 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

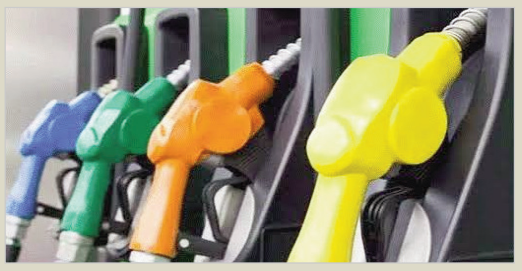

मेड इन इंडिया चिप की आपूर्ति ऐपल को कर सकती है माइक्रॉन

- गुजरात के साणंद प्लांट से सप्लाई की योजना

नई दिल्ली ।

मेमरी और स्टोरेज उपकरण बनाने वाली मशहूर कंपनी माइक्रॉन टेक्नोलॉजी भारत के कारखाने में बनने वाले अपने मेड इन इंडिया चिप की आपूर्ति ऐपल को करने पर` विचार कर रही है, जो उसके वैश्विक ग्राहकों में शामिल है। ऐपल ठेके पर भारत में आईफोन असेंबल कराती है। माइक्रॉन गुजरात के साणंद में असेंबली टेस्ट मार्किंग ऐंड पैकेजिंग (एटीएमपी) कारखाना लगा रही है। ऐपल के लिए ठेके पर आईफोन बनाने वाली कंपनियां फिलहाल चिप आयात करती हैं। सूत्रों ने बताया कि माइक्रॉन भारत में बनने वाले चिप का एक हिस्सा यहां मौजूद अपने ग्राहकों को देने का लक्ष्य लेकर चल रही है। साणंद कारखाने से पहला मेड इन इंडिया चिप दिसंबर तक आने की उम्मीद है। माइक्रॉन विदेश में अपने कारखानों से वेफर भारत लाएगी और यहां के कारखाने में उसे प्रोसेस कर चिप बनाएगी। पहले चरण में चिप का निर्यात किया जाएगा मगर कंपनी की योजना अगले चरण में चिप सीधे अपने वैश्विक ग्राहकों को देने की है। इनमें ऐपल भी शामिल है। भारत में तीन कंपनियां ऐपल के लिए ठेके पर आईफोन बनाती हैं और कंपनी के कुल आईफोन उत्पादन का 12 फीसदी हिस्सा भारत में ही असेंबल होता है। माइक्रॉन के एटीएमपी और वेफर संयंत्र अमेरिका, मलेशिया, जापान, सिंगापुर, चीन और ताइवान समेत तमाम जगहों पर हैं। ऐपल ने इस बारे में कुछ भी कहने से इनकार कर दिया। माइक्रॉन के भारत में मौजूद दफ्तर तथा उसके मुख्यालय तक सवाल भेजे गए मगर दोनों जगहों से जवाब नहीं आए।

छोटे निवेशकों को म्यूचुअल फंड का विकल्प चुनना चाहिए!

मुंबई । कुछ दिन पहले बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का संवेदी सूचकांक 75000 अंकों के पार चला गया था। लेकिन बीते लगातार चार सत्र से बाजार में गिरावट का माहौल है। बीएसई का संवेदी सूचकांक गुरुवार को 72488 अंक पर बंद हुआ। ऐसे में छोटे निवेशक घबरा जाते हैं। इसलिए पूंजी बाजार के जानकारों का कहना है कि छोटे निवेशकों को सीधे शेयर बाजार में कूदने के बजाए म्यूचुअल फंड के रास्ते प्रवेश करना चाहिए। इससे उन्हें पूंजी बाजार में निवेश का फायदा भी मिलता है और किसी गिरावट में भारी नुकसान भी नहीं होता है। म्यूचुअल फंड में जब इक्विटी निवेश की बात आती है, तो निवेशकों के पास लार्ज, मिड और स्मॉल कैप के बीच चयन करने का विकल्प होता है। पिछले एक साल में मिड और स्मॉल कैप ने बेहतर रिटर्न दिया है, परिणामस्वरूप, आज वो महंगे हो गए हैं। ऐसे में अब लार्जकैप एक बेहतर विकल्प है क्योंकि इसका मूल्यांकन अभी भी आकर्षक है।

एचडीएफसी लाइफ ने दर्ज किया 15 फीसदी मुनाफा

- प्रीमियम आय 63 हजार करोड़ रुपये हुई

नई दिल्ली ।

भारत की जनरल इंश्योरेंस कंपनी एचडीएफसी लाइफ ने वित्त वर्ष 24 को चौथी तिमाही के लिए रिजल्ट्स जारी कर दिए हैं। एक्सचेंजों को दी गई जानकारी में कंपनी ने बताया कि उसने सालाना आधार पर 15 फीसदी का मुनाफा दर्ज किया है। वित्त वर्ष 24 में कंपनी ने 1,569 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया, जबकि वित्त वर्ष 23 में यह 1,360 करोड़ रुपये था। तिमाही आंकड़ा देखा जाए तो वित्त वर्ष 24 की अंतिम तिमाही में एचडीएफसी लाइफ इंश्युरेंस ने मार्च तिमाही में 411 करोड़ रुपये का नेट मुनाफा दर्ज किया, जो कि पिछले साल की समान अवधि के 358 करोड़ रुपये के मुकाबले 14.8 फीसदी ज्यादा है। एक्सचेंजों को दिए गए बयान में कंपनी ने कहा कि उसका बिजनेस मार्जिन 26.3 फीसदी है। नए बिजनेस की वैल्यू 3,501 करोड़ रुपये है जो कि 14 फीसदी के साथ 2 साल की सालाना चक्रवृद्धि बढ़ोतरी है। कंपनी की एंबेडेड वैल्यू 47,468 करोड़ रुपये है, जबकि एंबेडेड वैल्यू पर ऑपरेटिंग रिटर्न 17.5 फीसदी है। सॉल्वेंसी 187 फीसदी पर बनी हुई है। जबकि पिछले साल की समान अवधि में यह 203 फीसदी थी। कंपनी ने बताया कि वित्त वर्ष 24 में कंपनी की प्रीमियम से कुल आय यानी टोटल प्रीमियम 63,076 करोड़ रुपये रही, जबकि एक साल पहले के वित्त वर्ष यानी वित्त वर्ष 23 में कंपनी ने 57,533 करोड़ रुपये की प्रीमियम से नेट आय दर्ज की थी। ऐसे में पिछले साल के मुकाबले कंपनी की प्रीमियम से नेट आय 10 फीसदी ज्यादा है। मार्च तिमाही में इसकी प्रीमियम से नेट आय 20,488 करोड़ रुपये रही, जो कि पिछले साल की समान अवधि में यह 19,426 करोड़ रुपये रही। इस लिहाज से देखा जाए तो कंपनी की प्रीमियम से नेट आय में 5.4 फीसदी का इजाफा हुआ है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 600 , निफ्टी भी 151 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी रहने से आया है। इससे पिछले दिनों से जारी गिरावट रुक गयी है। शेयर बाजार में लगातार चार दिन से जारी गिरावट पर शुक्रवार को ब्रेक लग गया। विदेशी निवेशकों की शॉर्ट कवरिंग से भी बाजार को बल मिला। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 599.34 अंक करीब 0.83 फीसदी बढ़कर 73,088.33 अंक पर बंद हुआ। मध्यपूर्व में तनाव से भी बाजार पर प्रभाव नहीं पड़ा है। इजराइल द्वारा ईरान में हमला से शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स नीचे आया थ पर बाद में इसमें बढ़त आने लगी। सेंसेक्स में आज 71,816.46 और 73,210.17 के रेंज में कारोबार हुआ।

वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज निफ्टी भी 151.15 अंक तकरीबन 0.69 फीसदी बढ़कर बंद हुआ। निफ्टी दिन के अंत में 22,147.00 अंक पर बंद हुआ। इसमें 21,777.65 और 22,179.55 के बीच कारोबार हुआ।

वहीं इससे पहले आज सुबह वै श्विक बाजारों से` मिले खराब संकेतों की वजह से घरेलू बाजार में गिरावट दर्ज की गयी। इस दौरान सेंसेक्स करीब 600 अंक टूटकर 72000 के नीचे आ गया है, वहीं निफ्टी भी 150 अंक गिरकर 21800 के स्तर पर शुरुआती कारोबार कर रहा था। इस प्रकार लगातार चौथे दिन बेंचमार्क सूचकांक गिरावट पर बंद हुए। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 455 अंक कमजोर हुआ। वहीं निफ्टी में भी 152 अंक की गिरावट दर्ज की गई। जानकारों ने कहा कि नीतिगत दर में कटौती की उम्मीदें धूमिल होने और घरेलू बाजार से विदेशी संस्थागत निवेशकों की बेरुखी से भी शुरुआती कारोबार में निवेशकों की धारणा को कमजोर किया

दिग्गज कंपनी तोशीबा ने 5 हजार कर्मचारियों को दिखाया बाहर का रास्ता?

नई दिल्ली।

तोशिबा जापानी कंपनी है। इसका कारोबार दुनिया के कई देशों में फैला हुआ है। कंपनी लैपटॉप, राइस कुकर और इलेक्ट्रोनिक्स के साथ कई अन्य सेक्टर में कारोबार करती है। इस दिग्गज कंपनी ने जापान में 5,000 कर्मचारियों की छंटनी करने का फैसला किया है। यह कंपनी के कुल वर्कफोर्स का 10 प्रतिशत है। तोशीबा की ओर से ये फैसला कंपनी के परिचालन पुनर्गठन के चलते लिया गया है। कंपनी इंफ्रा और डिजिटल टेक्नोलॉजी जैसे सेक्टर्स पर फोकस करना चाहती है। हाल के वर्षों में जापान में होने वाली ये सबसे बड़ी छंटनियों में से एक है। इसका असर जापान के कॉरपोरेट कल्चर पर होगा, जहां मजबूत श्रम कानूनों के चलते छंटनी होना कोई आम बात नहीं हैं। जापान में नौकरी पेशा और युवा लोगों की अन्य देशों के मुकाबले कमी है। निक्केई की रिपोर्ट है कि शिसीडो, ओमरोन और कोनिका मिनोल्टा सहित अन्य प्रमुख जापानी कंपनियों ने भी हाल ही में कर्मचारियों की कटौती की घोषणा की है। बता दें, तोशीबा जापान की बड़ी नियोक्ता कंपनियों में से एक है लेकिन हाल के वर्षों में कंपनी को कुछ मुश्किलों का सामना करना पड़ा है। कंपनी में कई प्रकार के मैनेजमेंट और घोटाले सामाने आए हैं। 2015 में सामने आए घोटले और मैनेजमेंट के इश्यू के चलते कंपनी को बड़ा झटका लगा था, जिसके बाद से कंपनी उभरने का प्रयास कर रही है। इस कारण कंपनी को बड़ा जुर्माना भी देना पड़ा था।

जापानी मीडिया निक्केई के मुताबिक, तोशीबा न्यूक्लियर टरबाइन, बैटरी और क्वांटम टेक्नोलॉजी आदि में कारोबार करती है। कंपनी को छंटनी के कारण कई तरह के फायदे कर्मचारियों को देने पड़ेंगे और इस कारण कंपनी को करीब 650 मिलियन डॉलर आर्थिक बोझ उठाना पड़ेगा।

बंधन लाइफ इंश्योरेंस ने वृद्धि के लिए आक्रामक रणनीति बनाई

कोलकाता। बंधन लाइफ इंश्योरेंस ने स्वयं को उद्योग में एक प्रमुख कंपनी के रूप में स्थापित करने के लिए वृद्धि की एक आक्रामक रणनीति बनाई है। कंपनी का नाम पहले एगॉन लाइफ इंश्योरेंस था। इस साल फरवरी में बंधन बैंक के प्रवर्तक बंधन फाइनेंशियल होल्डिंग्स ने समूह की पहुंच को बैंकिंग तथा म्यूचुअल फंड से आगे बढ़ाने के लिए एगॉन लाइफ का अधिग्रहण किया था। निजी जीवन बीमा कंपनी ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि वह अपने मौजूदा दल में 1,000 कर्मचारियों को जोड़ेगी क्योंकि उसका लक्ष्य जीवन बीमा उद्योग में अपनी उपस्थिति को मजबूत करना है। बंधन लाइफ के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने कहा कि यह बदलाव बंधन समूह का हिस्सा बनने के लिए मंच तैयार करता है। बंधन लाइफ के साथ हम सभी हितधारकों के मूल्य को बढ़ाने के लिए डिजिटल नवाचार तथा मजबूत वितरण की अपनी सहयोगी ताकत को बढ़ा रहे हैं। हम सभी प्रासंगिक उत्पाद श्रेणियों में विस्तार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भविष्य को देखते हुए बंधन लाइफ अगले पांच वर्षों में देश की अग्रणी बहु-माध्यम कंपनी होगी। निजी जीवन बीमाकर्ता ने भारत की उड़ान, बंधन से टैगलाइन के साथ ब्रांड को एक नई पहचान देने की कोशिश भी की है।

आईएमएफ ने चुनावी वर्ष में राजकोषीय अनुशासन बनाए रखने भारत की सराहना की

वाशिंगटन ।

चुनावी वर्ष में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने राजकोषीय अनुशासन बनाए रखने के लिए भारत की सराहना करते हुए कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था अच्छा प्रदर्शन कर रही है। आईएमएफ में एशिया व प्रशांत विभाग के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा` कि इस समय भारत की अर्थव्यवस्था अच्छा प्रदर्शन कर रही है। 6.8 प्रतिशत की वृद्धि बहुत अच्छी है। महंगाई कम हो रही है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि मुद्रास्फीति को तय लक्ष्य तक लाया जाए। उन्होंने कहा कि राजकोषीय अनुशासन बनाए रखना खासकर चुनावी वर्ष में मेरे लिए काफी महत्वपूर्ण बात है क्योंकि देश चुनावी वर्ष में राजकोषीय साहसिक कार्य शुरू करते हैं। इस सरकार ने अनुशासन बनाए रखा है। मुझे लगता है यह बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि आखिरकार ठोस मैक्रो फंडामेंटल ही वह आधार है जिसके आधार पर देश समृद्ध होते हैं और टिकाऊ वृद्धि करते हैं। इसलिए इसे बनाए रखना बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि भारत ने पिछले कई वर्षों में कई झटकों को झेला और उससे सफलतापूर्वक पार पाया है। यह दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनकर उभर रही है। वास्तव में इस वित्त वर्ष 2024-25 हम निजी उपभोग और सार्वजनिक निवेश के नेतृत्व में 6.8 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान लगा रहे हैं। मुद्रास्फीति धीरे-धीरे कम हो रही है। यह अब पांच प्रतिशत से नीचे है। भारत, वैश्विक वृद्धि में योगदान देने वाले प्रमुख देशों में से एक है। उन्होंने कहा कि इस साल हमें 6.8 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि की उम्मीद है।

2025 तक 10 लाख और नौकरियां पैदा होने का अनुमान!

- तमिलनाडु इलेक्ट्रॉनिक्स भर्ती मांग में टॉप पायदान पर

नई दिल्ली । एक अध्ययन के अनुसार भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग ने मार्च 2024 में भर्ती में 154 फीसदी की वृद्धि दर्ज की है। रिसर्च में पाया गया कि दूरसंचार` विभाग में भर्ती की मांग सबसे अधिक है, जो कुल भर्ती का 64 फीसदी है। लाइटनिंग और ऑटोमोटिव क्षेत्र क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। क्वीस कॉर्प लिमिटेड ने कहा कि भौगोलिक रूप से तमिलनाडु इलेक्ट्रॉनिक्स भर्ती मांग में 33 फीसदी की हिस्सेदारी के साथ टॉप पायदान पर है। कर्नाटक, उत्तर प्रदेश और तेलंगाना क्रमशः दूसरे, तीसरे और चौथे स्थान पर हैं। एक अध्ययन से पता चला है कि इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग में महिलाओं की भागीदारी तेजी से बढ़ रही है, खासकर इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में उनकी भागीदारी ज्यादा है। महिलाएं अब इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग की वर्कफोर्स का 78 फीसदी हिस्सा हैं। उन्हें ऑपरेटरों, क्वालिटी अश्योरेंस प्रोफेशनल्स और टेस्टिंग की नौकरियों में तेजी से भर्ती किया जा रहा है। कुछ कंपनियों में, कुल वर्कफोर्स में महिलाओं की भागीदारी 80 फीसदी तक है। अध्ययन में कहा गया है कि इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में महिलाओं के रोजगार में वृद्धि के कई फैक्टर्स हैं। जैसे काम का नेचर, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में अक्सर जटिल असेंबली और छोटे पार्ट्स की सटीक हैंडलिंग शामिल होती है। चूंकि, बारीकी के कामों में महिलाएं पहले से ही बेहतर हैं इसलिए इस क्षेत्र में वे बेहतर कर रही हैं।इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग में कई नौकरियां हैं जिनकी हाई डिमांड में हैं, जिनमें शामिल हैं- इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियर, इंस्ट्रुमेंटल इंजीनियर, और इलेक्ट्रॉनिक डिज़ाइन इंजीनियर। इन नौकरियों के लिए औसत वेतन 18,000 रुपये प्रति माह से लेकर 32,000 रुपये प्रति माह तक होता है। इन नौकरियों में आम तौर पर 18 से 30 साल की उम्र के व्यक्तियों को भर्ती किया जाता है, जो युवा टैलेंट पर इंडस्ट्री के जोर को दर्शाता है। क्वेस कॉर्प में वर्कफोर्स मैनेजमेंट के प्रेसिडेंट लोहित भाटिया का कहना है कि भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग इनोवेशन और बदलावों के कारण तेजी से बढ़ रहा है।

टाटा मोटर्स तमिलनाडु के नए प्लांट में बनाएगी जगुआर लैंड रोवर

नई दिल्ली। टाटा ग्रुप की सब्सिडियरी कंपनी टाटा मोटर्स 1 अरब डॉलर से तमिलनाडु में बने अपने नए प्लांट में लग्जरी कार जगुआर लैंड रोवर की मैन्युफैक्चरिंग करने पर विचार कर रही है। गौरतलब है कि टाटा मोटर्स ने इसी साल मार्च में तमिलनाडु में नए प्लांट को शुरू करने का ऐलान किया था। 2008 में टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा मोटर्स ने जगुआर लैंड रोवर को खरीद लिया था। कंपनी ने उस समय यह हिस्सेदारी फोर्ड मोटर कंपनी से 2.3 अरब डॉलर में खरीदी थी। हाल ही में जगुआर लैंड रोवर इंडिया ने अपनी लग्जरी कारों की बिक्री का डेटा बताया था। कंपनी ने कहा कि उसने वित्त वर्ष 2024 में शानदार परफॉर्मेंस दर्ज की है। वित्त वर्ष 24 में भारत में जगुआर लैंड रोवर कारों की रिटेल बिक्री 81 फीसदी की बढ़कर 4,436 यूनिट हो गई है। कंपनी ने कहा कि स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल रेंज रोवर की रिटेल बिक्री 160 फीसदी और डिफेंडर की रिटेल बिक्री 120 फीसदी बढ़ी है। ये डेटा सालाना आधार पर जारी किए गए थे। जेएलआर ने कहा कि 2024 में बाजार में आए नए मॉडल डिस्कवरी स्पोर्ट की बिक्री 50 फीसदी और रेंज रोवर इवोक की बिक्री 55 फीसदी बढ़ी है।

दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी चांदी उत्पादक कंपनी बनी हिंदुस्तान जिंक

नई दिल्ली ।

वेदांता समूह की कंपनी हिंदुस्तान जिंक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी चांदी उत्पादक कंपनी बन गई है। कंपनी ने कहा कि एक सर्वेक्षण के अनुसार राजस्थान स्थित उसकी सिंदेसर खुर्द खान दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी चांदी उत्पादक खान बन गई है। पिछले साल यह चौथे स्थान पर थी। हिंदुस्तान जिंक के एक वे रिष्ठ अधिकारी ने कहा कि चांदी वैश्विक ऊर्जा संप्रेषण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और हिंदुस्तान जिंक के उत्पादन में सालाना पांच प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसका श्रेय अयस्क उत्पादन में वृद्धि और उन्नत ग्रेड को जाता है, जिससे वैश्विक चांदी बाजार में एक प्रमुख कंपनी के रूप में इसकी स्थिति मजबूत हुई है। जस्ता, सीसा और चांदी के कारोबार में वेदांता समूह की कंपनी हिंदुस्तान जिंक दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी एकीकृत जस्ता उत्पादक और अब तीसरी सबसे बड़ी चांदी उत्पादक है। कंपनी के पास भारत में बढ़ते जस्ता बाजार में 75 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी है। इसका मुख्यालय उदयपुर में है। इसकी जस्ता, सीसा खदानें और गलाने के परिसर पूरे राजस्थान में फैले हुए हैं।

अधिक सिंचाई से होने वाली हानियाँ- सिंचाई समय से करने पर लाभ होता है किंतु जरूरत से अधिक करने पर पौधों के आवश्यक पोषक तत्व भूमि में रिस कर निचली सतह पर चले जाते हैं जो पौधों को उपलब्ध नहीं होते। इसी कारण पौधे पीले पड़ने लगते हैं। ऐसा अधिकतर नहर वाले सिंचाई क्षेत्रों में देखने को मिला है. अधिक सिंचाई करने से मिट्टी में वायु संचार में कमी आ जाती है जिससे पौधे की वृद्धि रुक जाती है।

रबी फसलों को पिलाएं

संतुलित जल

किसानों की यह आमधारणा है कि जितनी अधिक सिंचाई की जायेगी, उतनी ही ज्यादा उपज मिलेगी, किंतु वास्तविकता यह नहीं है. पानी उतना ही लाभदायक है, जितना पौधों की जरूरत है. बाकी जल तो अधिक गहराई तक पौधों की जड़ों की पहुंच से दूर नीचे रिस जाता है और कुछ भाप बनकर उड़ जाता है। रबी की फसलों में सिंचाई का दो तिहाई पानी कच्ची नालियों से रिसकर अन्यथा बहकर नष्ट हो जाता है केवल एक तिहाई भाग पानी ही पौधों को प्राप्त होता है। अतः अगर सिंचाई समयानुसार की जाय तो न केवल सी मिल जल का अच्छा उपयोग होगा, बल्कि ज्यादा क्षेत्रमें भी किसान सिंचाई करके अपने खेत की औसत उपज बढ़ा सकते हैं।

अधिक सिंचाई से होने वाली हानियाँ- सिंचाई समय से करने पर लाभ होता है किंतु जरूरत से अधिक करने पर पौधों के आवश्यक पोषक तत्व भूमि में रिस कर निचली सतह पर चले जाते हैं जो पौधों को उपलब्ध नहीं होते। इसी कारण पौधे पीले पड़ने लगते हैं। ऐसा अधिकतर नहर वाले सिंचाई क्षेत्रों में देखने को मिला है. अधिक सिंचाई करने से मिट्टी में वायु संचार में कमी आ जाती है जिससे पौधे की वृद्धि रुक जाती है।

- पौधे पीले पड़ने लगते हैं।
- पौधे की बढ़वार रुक जाती है
- भूमि में क्षार बढ़ने से ऊसर होने की संभावना है।
- अधिक नमी होने के कारण भूमि में पौधों की जड़ों का क्षेत्र घट जाता है जिससे पौधों को पर्याप्त मात्रा में पोषक तत्वन हीं मिल पाते हैं।

रबी फसलों में महत्वपूर्ण सिंचाई की अवस्थाएं

- **गेहूं** रबी फसलों में गेहूं को ही सबसे अधिक सिंचाई से फायदा होता है देशी उन्नत जातियाँ या गेहूं की ऊंची किस्मों की जल की आवश्यकता 25 से 30 से.मी. है। इन जातियों में जल उपयोग की दृष्टि से तीन अवस्थाएं होती हैं जो क्रमशः कल्ले निकलने की अवस्था (बुआई के 30 दिन बाद), पुष्पावस्था (बुआई के 50 से 55 दिन बाद) और दूधिया अवस्था बुआई के 95 दिन बाद)इन अवस्थाओं में सिंचाई करने से निश्चित उपज में वृद्धि होती है। प्रत्येक सिंचाई में 8 से.मी. जल देना आवश्यक है।

बौने गेहूं की किस्मों को प्रारंभिक अवस्था से ही पानी की अधिक आवश्यकता होती है- क्राउन रुट (शिखर या शीर्ष जड़ें) और शीर्ष जड़े और 'झखड़ा जड़ें' निकलते समय।

बुआई के 15-16 दिन तक पौधा बीज में सुरक्षित भोजन पर जीवित रहता है और अपनी खुराक लेता रहता है। लेकिन इसके बाद बीज का संचित भोजन समाप्त होने लगता है और तब वह धीरे-धीरे भूमि से खुराक खींचना शुरू कर देता है। ये जड़ें लगभग एक से.मी. की गहराई पर निकलती हैं। जिस समय ये जड़ें निकलती हैं, उस समय भूमि की सतह नम होनी चाहिए. ऐसे में बुआई के 20-21 दिन बाद खेत में हल्की सिंचाई करना अत्यंत आवश्यक होता है। किसानों को यह बात भली-भांति समझना चाहिए कि शिखर जड़ों से पौधों में कल्लों का विकास होता है, जिससे पौधों में बालियां ज्यादा आती हैं और फलस्वरूप उपज अधिक मिलती है। झखड़ा जड़ें पौधों को प्रारंभिक आधार देती हैं।

अतः बुआई के समय हर हालत में खेत में काफी नमी होनी चाहिए. बौनी गेहूं की किस्मों के खेत में पलेवा देकर खेत की तैयारी करने से अच्छा अंकुरण होता है। इन जातियों को 40 से 50 से.मी. जल की कुल आवश्यकता होती है और प्रति सिंचाई 6 से 7 से.मी. जल देना जरूरी है।

अगर दो सिंचाई की सुविधा है तो पहली सिंचाई बुआई के 20-21 दिन बाद प्रारंभिक जड़ें निकलने के समय करें दूसरी सिंचाई फूल आने के समय। यदि तीन सिंचाई करना संभव हो तो पहली सिंचाई बुआई के 20-21 दिन बाद (शिखर जड़ें निकलते समय), दूसरी पौधों में गाँठ बनते समय (बुआई के 60-65 दिन बाद) और तीसरी सिंचाई पौधों में फूल आने के बाद करनी चाहिए। जहां चार सिंचाईयों की सुविधा हो वहाँ पहली सिंचाई बुआई के 21 दिन बाद (शिखर जड़ें निकलते समय), दूसरी बुआई के 40-45 दिन बाद (पौधों में कल्ले निकलने के बाद) तीसरी बुआई के 60-65 दिन बाद (पौधों में गाँठ बनते समय) और चौथी सिंचाई फूल आते समय करें. चौथी और पाँचवी सिंचाई विशेष लाभप्रद सिद्ध नहीं होती है। इनको उसी समय करना चाहिए जब मिट्टी में पानी की संचय शक्ति कम हो। बलुई या बलुई दोमट मिट्टी में इस सिंचाई की जरूरत होती है। पांचवी सिंचाई उस समय करें जब दानों में दूध पड़ जाये। यदि वायुमंडल का तापमान तेजी से बढ़ रहा हो तो छठी सिंचाई हल्की करें। जब दाने में थोड़ी कठोरता नजर आती हो या दूधिया अवस्था बीत गयी हो तो इस सिंचाई को करना बहुत जरूरी नहीं है।

परीक्षणों से यही निष्कर्ष निकला है कि यदि 6 सिंचाईयां की जायें तो बौने गेहूं से अधिकतम उपज मिलती है। लेकिन यदि 6 सिंचाईयाँ संभव न हो तो उपयुक्त समय पर उक्त तीन सिंचाईयां तो अवश्य ही करनी चाहिए। पिछेती गेहूं में पहली 5 सिंचाईयां 15 दिनों के अंतर से करें। फिर बालें निकलने के बाद यह अन्तर 9-10 दिन का रखें। पिछेती गेहूं की दैहिक अवस्था पिछड़ जाती है और बालें निकलना और दानों का विकास तो ऐसे समय पर होता है जब वाष्पीकरण तेजी से होता है और ऐसी दशा में खेत में नमी की कमी का दानों के विकास पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है, फलस्वरूप दाना सिकुड़ जाता है। इसीलिए देर से बोये गए गेहूं में जल्दी सिंचाई कम दिनों के अंतर से जरूरी है।

रबी में लगाएं

राई-सरसों

भूमि की तैयारी : (अ) बारानी क्षेत्र- वर्षा आधारित क्षेत्रों में वर्षा ऋतु से ही जुताई आरंभ करना चाहिए तथा मिट्टी को खरपतवार रहित कर भुरभुरी बनाकर पाटा लगाकर छोड़ देना चाहिए। उपयुक्त तापमान आने पर बुवाई करें।

(ब) **सिंचित क्षेत्र**- जब खरीफ फसल की कटाई हो जाये तब पलेवा देकर खेत की तैयारी करें तथा पाटा लगाकर खेत को समतल कर लें फिर बुवाई करें।

विकसित एवं अनुशंसित किस्में

पूसा बोल्ड- बड़े दाने वाली इस जाति का 1000 दानों का वजन 7 ग्राम है तथा यह 110-140 दिन में पककर तैयार होती है तेल की मात्रा 42 प्रतिशत तथा उपज 18 क्विंटल/हे. है।

रोहिणी- इसकी फलियां टहनियों से चिपकी रहती हैं तथा यह 125-130 दिन में पककर तैयार होती है तेल की मात्रा 43 प्रतिशत तथा 1000 दानों का वजन 5.2 ग्राम है उपज 22-28 क्विं./हे. है।

वरूणा- यह सम्पूर्ण भारत वर्ष के लिये अनुमोदित है यह 135-140 दिन में पककर तैयार होती है। दानों का वजन 6 ग्राम तथा उपज 20-22 क्विं./हे. है तथा तेल की मात्रा 43 प्रतिशत है।

जवाहर सरसों-1 :- यह जाति 125-127 दिन में पककर तैयार होती है इसके 1000 दानों का वजन 5 ग्राम है तथा तेल की मात्रा 42 प्रतिशत तथा उपज 20-21 क्विं./हे. है। यह सफेद किट्ट नामक रोग के प्रतिरोधिता वाली किस्म है।

वसुन्धरा- यह किस्म 130-140 दिनों में पककर तैयार हो जाती है तथा तेल की मात्रा 40 प्रतिशत तथा उपज 20-21 क्विं./हे. है।

जवाहर सरसों-2 :- यह किस्म 135-138 दिन में तैयार होती है, तेल की मात्रा 40 प्रतिशत तथा दानों का वजन 5 ग्राम तथा उपज 15 से 30 क्विं./हे. है।

जवाहर सरसों-3 :- यह 130-132 दिनों में पककर तैयार होती है तथा इसकी फली चटकती नहीं है तेल 40 प्रतिशत तथा उपज 15 से 25 क्विं./हे. है।

जगन्नाथ- यह किस्म 125-130 दिन में पककर तैयार होती है तथा उपज 18 क्विं. प्रति होगा तथा तेल की मात्रा 40 प्रतिशत तक होती है।

जवाहर सरसों-4- यह किस्म असिंचित अवस्था के लिये उपयुक्त है। यह 125-135 दिन में पककर तैयार होती है तेल की मात्रा 43 प्रतिशत तथा दानों का वजन 5-6 ग्राम तक है।

माया- यह किस्म 125-135 दिन में पककर तैयार होती है तथा तेल की मात्रा 40 प्रतिशत एवं उपज 25-29 क्विं./हे. है।

बीजोपचार :- भरपूर पैदावार हेतु फसल को बीमारियों से बचाने हेतु बीजोपचार आवश्यक है, बीजोपचार 6 ग्राम एप्रान एस.डी.35 नामक दवा से प्रति किलो बीज दर से करें या 3 ग्राम कार्बेन्डाजिम 3 ग्राम थीरम नामक दवा द्वारा प्रतिकिलो बीज के हिसाब से करके फसल बोएं।

बुवाई का समय : बुवाई असिंचित क्षेत्रों में 20 सितंबर से 15 अक्टूबर तक, 5-6 किलोग्राम बीज दर के हिसाब से बोएं तथा सिंचित क्षेत्रों में 15 अक्टूबर से 30 अक्टूबर तक 5 किलोग्राम बीज दर/हे. के हिसाब से करें। बुवाई देशी हल या सीड ड्रिल से कतारों में करें। पंक्ति से पंक्ति की दूरी 30 से.मी. एवं बीज से बीज की दूरी 10 से.मी. रखें। गहराई 2-3 से.मी. रखें अधिक गहरा बीज बोने पर अंकुरण पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।

खाद एवं उर्वरक की मात्रा : भरपूर पैदावार के लिये हरी खाद, गोबर की खाद या कम्पोस्ट खाद का प्रयोग करना चाहिए. सिंचित क्षेत्र के लिये 100 क्विं. पकी हुई गोबर खाद बुवाई पूर्व खेत में डालकर जुताई कर खेत में मिला लें। बारानी क्षेत्र में देशी खाद या कम्पोस्ट खाद 40-50 क्विं./हे. बुवाई पूर्ण खेत में डालकर अच्छी तरह मिला लें इसके बाद रसायनिक उर्वरकों को खेत में मिलाएं। सिंचित क्षेत्र के लिये 217 किलोग्राम यूरिया, 313 कि.ग्राम, सिंगल सुपर फास्फेट, 40 किलोग्राम, म्यूरेट ऑफ पोटाश एवं 30 किलोग्राम गंधक देने से सरसों की भरपूर पैदावार होती है। जबकि असिंचित क्षेत्र के लिये 40 किलोग्राम यूरिया, 20 किलोग्राम, सिंगल सुपर फास्फेट, 10 किलोग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश एवं 15 किलोग्राम गंधक देने पर अच्छी पैदावार ली जा सकती है।

रोगमुक्त होगी

चना फसल

चना रबी मौसम की प्रमुख दलहनी फसल है। चने में लगने वाली इल्ली व उकठा रोग का प्रकोप इसकी उत्पादकता में प्रमुख बाधा है साथ ही कुछ क्षेत्रों में परम्परागत पुरानी किस्मों का उपयोग भी कम उत्पादकता का कारण है।

उन्नतशील प्रजातियाँ- बीज, फसल उत्पादन का महत्वपूर्ण आदान हैं। अतः बुवाई पूर्व स्वस्थ, सुडौल, रोग रहित प्रजातियों का बीज एकत्र कर रख लेना चाहिए।

बीज दर एवं बीजोपचार :- देशी चने का 75 कि.ग्रा. जबकि बड़े आकार के काबुली चने की 125 कि.ग्रा. मात्रा प्रति हे. के मान से उपयोग करना चाहिए ताकि एक वर्गमीटर क्षेत्र में 25-30 पौधे हों। बुवाई के समय लाइन से लाइन की दूरी 30 से.मी. तथा पौधे से पौधे की दूरी 10 से.मी. होना चाहिए. बोनी से पूर्व बीज को कार्बेन्डाजिम

खेत की तैयारी:- खरीफ मौसम के खाली पड़े खेतों में सितम्बर में या अक्टूबर के प्रारंभ में बार-बार जुताई करें ताकि बारिश की नमी का संरक्षण हो सके। खेत से कचड़ा आदि एकत्र कर नष्ट कर देना चाहिए व पाटा लगाकर बुवाई का कार्य करें। अथवा पलेवा लगाकर बोनी करें।

उर्वरकों का उपयोग- दलहनी फसल होने के कारण चने को 743 कि.ग्रा. यूरिया व 373 कि.ग्रा. सिंगल सुपर फास्फेट की आवश्यकता सिंचित अवस्था में होती है एवं असिंचित अवस्था में 20 कि.ग्रा. यूरिया व 187 कि.ग्रा.फास्फेट, अंतिम जुताई से पूर्व एक कि.ग्रा. पी.एस.बी. कल्चर को 50 कि.ग्रा. गोबर की खाद में मिलाकर खेत में भुरकाव करने से अच्छे परिणाम मिलते हैं।

अथवा कार्बोक्सिन की 2 ग्राम मात्रा द्वारा प्रति कि.ग्रा. की दर से उपचारित करें. तत्पश्चात् राइजोबियम व पी.एस.बी. कल्चर से बीज का निवेशन करें इस हेतु 250 ग्राम गुड़ के घोल में कल्चर मिलाकर फिर बीज को उपचारित करें।

अन्य शस्य क्रियाएं:- बुवाई के 25-30 दिन बाद निंदाई कर घास निकालें. ताकि नमी का ह्रास न हो। इसी समय चने की खुटाई करना चाहिए ताकि अधिक से अधिक शाखायें निकल सकें।

बुवाई से पूर्व खेत में भलीभांति तय कर लें कि पर्याप्त नमी है तभी बुवाई करें। चने की फसल में 45-60 दिन के भीतर सिंचाई करें। ध्यान रहे कि फूल आते समय सिंचाई न करें। हल्की भूमि में नमी की कमी होने पर फली लगते समय भी सिंचाई की जानी चाहिए।

कटाई, गहाई व उपज:- परिपक्व अवस्था में आने पर फलियाँ सूखकर पीली पड़ती हैं एवं पत्तियाँ झड़ने लगती हैं। इस समय कटाई करना चाहिए। फसल की कटाई कर 2-3 दिन तक खेत में पड़ा रहने दें तत्पश्चात् गहाई करें। इस प्रकार 15-20 क्विं. किस्मों के अनुसार उत्पादन मिलता है। दानों को भलीभांति सुखाकर 8-10 प्रतिशत नमी पर भंडारित करना चाहिए।

90 के दशक की अभिनेत्रियां रूढ़िवादी थीं : रवीना टंडन

बालीवुड एक्ट्रेस रवीना टंडन का सिनेमा जगत में 90 के दशक में जलवा था और तब उन्होंने कई हिट फिल्में दी है। हाल ही में, रवीना ने 90 के दशक से जुड़े कई राज खोले हैं। रवीना टंडन अपने करियर को ईमानदारी से आत्मनिरीक्षण के साथ देखती हैं। रवीना टंडन का कहना है कि 90 के दशक की अभिनेत्रियां रूढ़िवादी थीं, उन्हें खुद को स्थापित करने में समय लगा। उस दौर में एक हीरो एक फिल्म में जितना कमाता था, वो अभिनेत्रियों को 15 के साल बाद मिला। अभिनेत्री ने बताया 90 के दशक में जब उन्होंने अपनी बॉलीवुड यात्रा शुरू की, तब उन्हें एक धारणा की लड़ाई लड़ने के लिए प्रेरित किया। दरअसल, उस वक्त उन्होंने खुद को ऐसी फिल्मों में पाया जो फार्मूलाबद्ध व्यावसायिक फिल्मों होती थीं और इनमें वे स्टीरियोटाइप रूढ़िबद्ध हो रही थी। रवीना टंडन का कहना है कि 90 के दशक में हालत ऐसी थी कि अभिनेत्रियों के पास बड़े अवसर होते थे लेकिन अपने ही करियर की रणनीति बनाने का मौका नहीं मिलता था। उनके पास अपना काम चुनने की आजादी बहुत ही कम थी। जब वे फिल्में रिलीज होने लगती थी, जिनमें 6 सुपरहिट गाने और वही एक जैसे सीन होते थे तो इस तरह की और भी फिल्मों में काम मिलने लगता था। ऐसी स्थिति में एक्ट्रेस को आंख मूंदकर फिल्मों को साइन कर लिया जाता था और करियर प्लानिंग नाम की कोई चीज थी ही नहीं। रवीना ने 90 के दशक में हम एक वक्त में एक या दो फिल्मों में काम नहीं करते थे। हम एक साथ 10 से 12 फिल्में किया करते थे। कुछ फिल्मों के बारे में ऐसा कहा जाता था कि अगर उसमें कोई बड़ा अभिनेता और बड़ा निर्देशक है तो फिल्म सुपरहिट साबित होगी और तब प्रोजेक्टस को लेकर ज्यादा चयन नहीं होता था। बातचीत के दौरान रवीना टंडन ने कहा कि उन दिनों अभिनेत्रियों को अभिनय करने के ज्यादा पैसे नहीं मिलते थे। उस दौरान फिल्म का एक लीड हीरो एक फिल्म से जितना कमा लेता था, एक अभिनेत्री उतना पैसा 15 से 16 फिल्मों में काम करने के बाद ही कमा पाती थी। ये सब स्टीरियोटाइपिंग यानी रुढ़िवादि सोच का कारण होता था, क्योंकि हमें अपने को स्थापित करने में वक्त लगा। आगे रवीना ने कहा, सौभाग्य से, यह अब बदल गया है। समय ऐसा है कि ओम शांति ओम के बाद, दीपिका पादुकोण को पांचवीं-छठी फिल्म के रूप में बाजीराव मस्तानी मिलती है, जिससे उन्हें ऐसी भूमिकाएं करने का मौका मिलता है जो वो करना चाहती हैं, जो हमें लंबे समय तक काम करने के बाद 20 वीं फिल्म में मिला है। हमारी इंडस्ट्री की अभिनेत्रियों को सौभाग्य से उनकी चौथी-पांचवीं फिल्म में ऐसा करने को मिल रहा है। उन्होंने आगे कहा, स्टूडेंट ऑफ द ईयर के बाद सीधे आलिया भट्ट को इम्तियाज जैसे अच्छे निर्देशक के साथ हाईवे करने का मौका मिला और वो काफी शानदार है। उन दिनों हमें खुद को स्थापित करने में निश्चित रूप से समय लगा। ऐसा नहीं था कि हम सावधानीपूर्वक सोचेंगे, ओह, मैं इसे आगे करूंगी। बेशक, ओटीटी ने इसे हर तरह की फिल्म बनाने के लिए भी खोल दिया है। रवीना को लगता है कि अब ऐसा नहीं है, क्योंकि वो इस बात पर जोर डालती हैं कि कैसे फीमेल स्टार आज खुद को बेहतर स्थिति में पाती हैं, उनके करियर की शुरुआत में ही मनोरंजक फिल्में आ रही हैं और स्ट्रीमिंग शो का अवसर उन्हें सोचने का एक और मौका दे रहा है।

जूनियर एनटीआ... पहनते है ... करोड़ की घड़...

ऑस्कर विनिंग फिल्म आरआरआर के स्टार अभिनेता जू... एनटीआर काफी महंगी घड़ी पहनने के शौकीन हैं। हाल ही में... ऋतिक रोशन की वॉर 2 की शूटिंग के लिए मुंबई में देखा गया... उन्होंने मुंबई के कलिना हवाई अड्डे पर अपनी उपस्थिति के दौरान... वेशकीमती घड़ी रिचर्ड मिल को प्लॉन्ट किया था। पैपराजी अकाउंट... साझा किए गए एक वीडियो में, आरआरआर अभिनेता एक ग्रे... और गब्बाना शर्ट, काली टोपी, धूप का चश्मा और एक आकर्षक... मिल्ली कलाई घड़ी में दिखाई दे रहे हैं। जानकारी के अनुसार, जू... एनटीआर को इससे पहले 1.37 करोड़ रुपये की एक और प्री... घड़ी पहने देखा गया था जो कि पटेक फिलिप ब्रांड की थी। लेकिन... ही में वे 8.7 यानी लगभग 9 करोड़ रुपए की घड़ी पहने दे... थे। इतना ही नहीं, महंगी एक्सेसरिज में आरआरआर स्टार के... लेम्बोर्गिनी उरुस से लेकर पोर्शे तक का एक शानदार कार कले... भी है। वो मर्सिडीज-बेंज जीएलएस, रेंज रोवर वोग और बीएम... 7-सीरीज के भी मालिक हैं। जूनियर एनटीआर की नेटवर्थ 571... से ज्यादा है। अभिनेता पहले एक फिल्म से 40 करोड़ लेते थे... उन्होंने आरआरआर के लिए 45 करोड़ की मांग की थी लेकिन... उनका मेहनताना बढ़ गया है। तारक अब एक फिल्म से 50 से... करोड़ रुपए ले रहे हैं। फिल्म का बजट कम है तो 50 और ज्याद... 100 करोड़ रुपए ले रहे हैं। आपको बता दें कि अभिनेता की वाइ... एक अमीर कानदान से आती हैं। तारक ने किसी हीरोइन से नहीं... रियाल्टार और बिजनेसमैन नार्ने श्रीनिवास राव की बेटी लक्ष्मी प्रण... शादी की है। बता दें कि लक्ष्मी आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम चंद्रबाबू... की भतीजी हैं। इस बीच काम के मोर्चे पर बात करें तो जूनियर एनट... निर्देशक कोरातला शिवा की देवरा मेंबिजी हैं, जो दो भागों में रि... होगी। कोरातला शिवा द्वारा लिखित और निर्देशित देवरा- भाग ... एक्शन ड्रामा है जिसमें जूनियर एनटीआर मुख्य भूमिका में हैं। यह... जान्हवी कपूर की दक्षिण फिल्म इंडस्ट्री में पहली फिल्म भी है। ... अलावा सैफ अली खान, प्रकाश राज, श्रीकांत, शाइन टॉम चाको... नारायण कलाकारों का हिस्सा हैं। बता दें कि भारतीय फिल्म इंड... ऐसे कई स्टार्स हैं जो महंगी एक्सेसरिज के शौकीन हैं। किसी को... सन ग्लास का शौक होता है तो कोई महंगे बूट खरीद...

...ोंटी शर्मा का कहना है ...क शान हॉलीवुड ...ॉलीवुड मूवी स्वेटपैंट्स ... मुख्य पार्श्व गायक हैं

...ान ने बॉलीवुड में प्लेबैक के लिए कई ...ल्मफेयर और जी सिने पुरस्कार जीते हैं

...तीक्षित बॉलीवुड हॉलीवुड सिलिकॉन वैली थ्रिलर फिल्म ...पैंट्स के सह-निर्माता मोंटी शर्मा, सह-निर्माता, संगीत ...शक और डॉ. रानू सिन्हा, निर्देशक, स्क्रीन प्ले और गीतकार, ने ...ाहपूर्वक सोशल मीडिया वैश्विक समाचारों में खुलासा किया कि ...कबस्टर बॉलीवुड पुरस्कार विजेता गायक शान मुखर्जी मुख्य ...का में हैं। फ़िल्म स्वेटपैंट्स के लिए पुरुष पार्श्वगायन ... ने बॉलीवुड में प्लेबैक के लिए कई फिल्मफेयर और ज़ी सिने ...स्कार जीते हैं, उन्हें मोंटी शर्मा की सावरिया फिल्म 'जब से तेरे ...' गाने के लिए जाना जाता है, उन्हें बॉलीवुड प्लेबैक में कई ...साओं के साथ-साथ फिल्म फना के 'चांद सिफ़ारिश' गाने के ... भी जाना जाता है। फिल्म की सह-निर्माता और अभिनेत्री अन्ना ... ने प्रेस और मीडिया को उत्साहपूर्वक बताया कि मोंटी शर्मा का ...ीत, शान का पार्श्वगायन और डॉ. रानू सिन्हा के गीत ...सामयिक, मधुर हैं और हर संस्कृति के दिलों को चुराने के लिए ...र हैं। बॉलीवुड के संचारी सेनगुप्ता और एक प्रतिभाशाली बे...या गायिका और आइकन अदिति श्री जैसे युवा प्रतिभाशाली ...कों की कंफ़ेटी पूर्व पश्चिम प्रतिभाओं के सहयोग की पहचान है। ...बर 2024 के बाद प्रत्याशित फिल्म की रिलीज को लेकर टीम ...पैंट्स बहुत उत्साहित है।

धमाकेदार अवतार में नजर आएंगे सुपरस्टार रजनीकांत

जेलर के बाद दक्षिण भारत के सुपर सितारे रजनीकांत इन दिनों अपनी अगली फिल्मों को लेकर खासी चर्चाओं में हैं। बताया जा रहा है कि रजनीकांत इन दिनों दो फिल्मों की शूटिंग में व्यस्त हैं। इनमें से एक फिल्म जय भीम देने वाले निर्देशक टीजे ज्ञानवेल की वेट्टियान है। इस फिल्म को लेकर तमिल सिनेमा में लगातार बज बना हुआ है। जिसमें सुपरस्टार रजनीकांत धमाकेदार अवतार में नजर आएंगे। इस फिल्म को लेकर चर्चा है कि निर्माताओं ने रजनीकांत की मुख्य भूमिका वाली इस फिल्म के लिए खलनायक की खोज पूरी कर ली है। यह विलेन कोई और नहीं बल्कि बाहुबली का भल्लालदेव यानी राणा दग्गुबाती है। हालांकि अभी तक निर्माताओं की ओर से आधिकारिक तौर पर ऐलान नहीं किया गया है। मगर तमिल सिनेमा के गलियारों में इस बात की चर्चा जोरों पर है कि रजनीकांत की इस फिल्म में राणा दग्गुबाती की एंट्री होने वाली है। फिल्म की कहानी क्रिमिनल एक्टिविटीज की थीम पर बुनी हुई है। जो एजुकेशन सिस्टम को कैसे बर्बाद करता है। इसमें राणा दग्गुबाती का किरदार एक ऐसे विलेन का होगा जो गैजेट्स लवर है और मॉर्डन टेक्नोलॉजी का मिसयूज करता है। फिल्म में रजनीकांत एक बार फिर पुलिस अधिकारी के किरदार में दिखाई देंगे। यह फिल्म इसी साल अक्टूबर 2024 तक सिल्वर स्क्रीन पहुंचने की तैयारी में हैं। इसमें रजनीकांत के साथ अमिताभ बच्चन भी नजर आने वाले हैं। इससे पहले इन दोनों ने अपने समय में आखिरी बार गिरफ्तार में स्क्रीन्स शेयर किया था। गिरफ्तार में कमल हासन ने भी मुख्य भूमिका निभाई थी। वो फिल्म में अमिताभ के छोटे भाई बने थे। अमूमन एक वक्त पर एक ही फिल्म पर काम करने वाले रजनीकांत ने वेट्टियान के साथ ही निर्देशक लोकेश कनगराज की अगली फिल्म को लेकर भी हाथ मिला लिया है। उनकी अगली फिल्म थलाइवा 171 के टाइटल का खुलासा जल्दी ही होने वाला है। इस फिल्म का मेकर्स एक जबरदस्त फर्स्ट लुक पोस्टर जारी कर चुके हैं। जिसे देख फैंस का उत्साह सांतवे आसमान पर पहुंच चुका है। ये एक गैंगस्टर क्राइम थ्रिलर ड्रामा मूवी होगी। जिसे लेकर फैंस अभी से ही एक्साइटेड हैं। बता दें कि रजनीकांत का 72 साल की उम्र में भी जलवा कम नहीं हुआ है। तमिल फिल्मों की दुनिया में आज भी रजनीकांत से बड़ा दूसरा कोई सितारा नहीं हैं। गत वर्ष प्रदर्शित हुई उनकी फिल्म जेलर ने जिस तरह से कामयाबी पायी वह अन्य सितारों को आश्चर्यचकित कर गई। इस फिल्म ने दुनियाभर से 700 करोड़ का कारोबार करने में सफलता प्राप्त की।

मैंने कभी शादी के बारे में नहीं सोचा था : विद्या बालन

बॉलीवुड एक्ट्रेस विद्या बालन ने खुलासा किया कि उन्होंने अपने पति सिद्धार्थ रॉय कपूर से मिलने से पहले कभी शादी के बारे में नहीं सोचा था। पद्मश्री से सम्मानित भारतीय सिनेमा की मशहूर एक्ट्रेस विद्या बालन ने 2012 में फिल्म निर्माता सिद्धार्थ रॉय कपूर से शादी की थी। बता दें कि विद्या अब अपनी आगामी फिल्म दो और दो प्यार की तैयारी कर रही हैं, जो 19 अप्रैल को रिलीज होगी। फिल्म में प्रतीक गांधी, इलियाना डिक्रूज और सेंथिल राममूर्ति भी हैं। यह पूछे जाने पर कि उनके अनुसार, एक आदर्श रिश्ते का मंत्र क्या है, विद्या ने बताया, 'मुझे नहीं लगता कि कोई मंत्र है। कम से कम मुझे तो यह पता नहीं चला... मंत्र हर रिश्ते के लिए अनोखा होता है। कोई आपके कान में ये मंत्र नहीं बताएगा। हर रिश्ते का अपना एक अनोखा मंत्र होता है।' रिश्तों को लेकर विद्या की समझ विकसित हुई है। उन्होंने कहा, शादी के 12 साल और डेटिंग के वर्षों के दौरान रिश्तों के बारे में मेरी समझ बदल गई है। शादी के बारे में मेरी समझ बढ़ी है। मैं उनमें से नहीं हूं जिसने शादी से पहले उसके बारे में सोचा हो। उन्होंने आगे कहा, इन सालों ने मुझे सिखाया है, और मुझे यकीन है कि गुजरते समय के साथ मैं रिश्ते को समझना और विकसित करना जारी रखूंगी। हालांकि, विद्या ने रिश्ते को स्वस्थ रखने के लिए एक बात शेयर की। विद्या ने कहा, एक बात जो मैं निश्चित रूप से जानती हूं वह यह है कि किसी जोड़े के बीच रिश्ते में, चाहे वह विषमलैंगिक हो या समान-लिंग वाला हो, आप किसी तीसरे व्यक्ति को शामिल नहीं कर सकते। उन्होंने आगे कहा, मेरा मतलब सिर्फ अफेयर से नहीं है, बल्कि किसी अन्य रिश्तेदार या दोस्त से भी है। ये रिश्ता सिर्फ दो लोगों के बीच का है। यह कुछ ऐसा है जिसे मैंने वर्षों से समझा है।'

प्रेग्नेंसी के दौरा... सिंघम अगेन में एक्श... सीन कर रही दीपिक...

दीपिका पादुकोण ने कुछ समय पहले प्रेग्नेंसी को आधिकारिक तौ... सार्वजनिक किया था। वहीं अब सोशल मीडिया पर 'सिंघम अगे... सेट से उनकी कुछ तस्वीरें सामने आई हैं। इन तस्वीरों में दीपिका पु... की वर्दी में दिख रही हैं। दावा किया जा रहा है कि वे फिल्म में ए... सीन करते हुए दिखाई देंगी। सामने आई तस्वीरों में दीपिका पुलि... वर्दी में हैं। उनके चारों ओर जो कलाकार हैं, वे गुंडों की वेशभूषा... इससे फैंस अंदाजा लगा रहे हैं कि वे एक एक्शन सीन कर रही हैं... दावा कर रहे हैं कि शूट के दौरान उनका बेबी बंप भी दिख रहा है... तस्वीरें दीपिका पादुकोण के एक फैन पेज से साझा की गई हैं। रि... के मुताबिक दीपिका की सुरक्षा के लिए उनकी बॉडी डबल भी वहां ... थी। कहा जा रहा है कि दीपिका के एक्शन सीन उनकी बॉडी डब... कर रही हैं, ताकि गर्भवती स्टार को किसी तरह की परेशानी ... 'सिंघम अगेन' में दीपिका पहली बार पुलिस अधिकारी की भू... निभाते हुए नजर आएंगी। फिल्म में दीपिका लेडी सिंघम पु... अधिकारी 'शक्ति शेट्टी' के किरदार में दिखेंगी। फिल्म में अजय दे... रणवीर सिंह, करीना कपूर खान, अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ ... भूमिका निभाते हुए नजर आ...

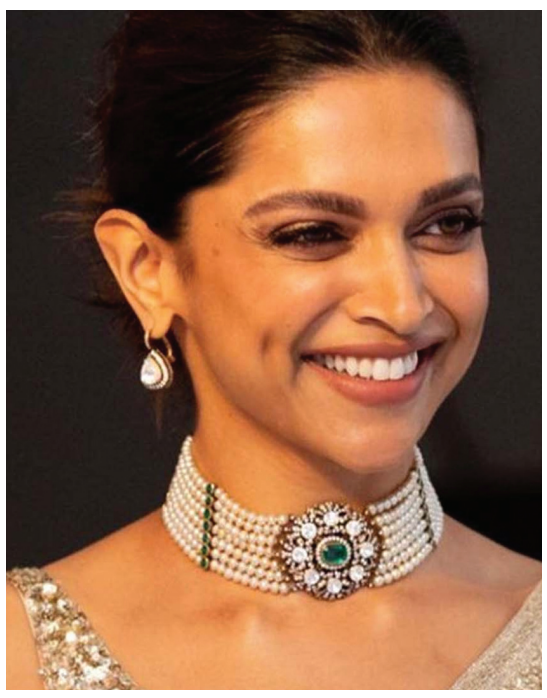

मध्य तुर्किये में महसूस किए गए भूकंप के तेज झटके

अंकारा ह्य। मध्य तुर्किये में भूकंप का तेज झटका महसूस किया गया। देश की आपदा प्रबंधन एजेंसी ने इसकी जानकारी दी। भूकंप की वजह से कुछ इमारतों को नुकसान पहुंचा है, लेकिन किसी भी मौत या गंभीर रूप से घायल होने की सूचना नहीं है। आपदा प्रबंधन एजेंसी के मुताबिक, अंकारा से 450 किलोमीटर पूर्व में स्थित सुलुसराय शहर में 5.6 तीव्रता का भूकंप आया। आपदा प्रबंधन एजेंसी ने बताया कि भूकंप का झटका योजगाट सहित पड़ोसी प्रांतों में महसूस किया गया, जहां दो मंजिला इमारत ढह गई। टोकाट के गवर्नर नुमान हातिपोग्लू ने बताया कि सुलुसराय के पास बुगदायली गांव में ईंट और लकड़ी के कई घर ढह गए। इससे पहले दिन में सुलुसराय में भूकंप के दो झटके महसूस किए गए थे जिनकी तीव्रता क्रमश-4.7 और 4.1 थी।

बिक रहा है दुनिया का सबसे महंगा घर, कीमत लगभग 4 हजार करोड़

पेरिस। ये घर इतना महंगा है कि उसकी कीमत में शाहरुख खान के 'मन्नत' जितने करीब 18 बंगले खरीदे जा सकते हैं। मन्नत जैसे 20 घरों की बात कर रहे हैं, तो इस मकान का दाम कितना होगा। इस घर की कीमत 363 मिलियन पाउंड, यानी 37,83,81,76,200 रुपये (3 हजार 783 करोड़ रुपये से ज्यादा) के करीब है। इस लिहाज से आप शाहरुख जैसे करीब 18-19 घरों को खरीद सकते हैं। ये घर पैरिस के बाहरी इलाके में स्थित है। इसका निर्माण 19वीं सदी में हुआ था और जो एक 12वीं सदी के किले पर बना था। 1980 के दशक में इसे किंग हसन द्वितीय ने ले लिया था, उससे पहले रॉथ्सचाइल्ड बैंकिंग एंपायर के अंडर में ये घर था। घर में 100 कमरे हैं, 2500 स्क्वायर मीटर के एरिया में लोग रह सकते हैं। 1000 हेक्टेयर की जमीन है और प्राइवेट तालाब भी है। हसन द्वितीय के बेटे ने अपने पिता की मौत के बाद साल 2008 में मिडिल ईस्ट के एक खरीदार को ये घर बेच दिया था। अब ये फिर मार्केट में खरीदे जाने के लिए आ चुका है।रिपोर्ट्स के मुताबिक फ्रांस में स्थित एक किला बिकने वाला है जो कभी मोरक्को के राजा का प्राइवट घर हुआ करता था। इसे दुनिया का सबसे महंगा प्राइवेट रेसिडेंस माना जा रहा है। आपको जब इसकी कीमत पता चलेगी तो आपके होश उड़ जाएंगे। कोईमोई वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार भारत के दिग्गज अभिनेता शाहरुख खान ने साल 2001 में मुंबई में अपना घर, मन्नत खरीदा था। उस वक्त उनके घर की कीमत थी 13.5 करोड़ रुपये। मगर प्रॉपर्टी से जुड़ी कई वेबसाइट्स के अनुसार अब शाहरुख के घर की कीमत 200 करोड़ हो चुकी है।

अमेरिका ने कहा, कोई चुनाव पर्यवेक्षक नहीं भेज रहा

वाशिंगटन। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने भारत में लोकसभा चुनावों के बीच कहा कि वह कोई चुनाव पर्यवेक्षक नहीं भेज रहा है, लेकिन वह भारत में साझेदारों के साथ अपने सहयोग को गहरा और मजबूत करने के लिए उत्सुक है। विदेश मंत्रालय के उपप्रवक्ता वेदांत पटेल ने कहा, मुझे अमेरिका द्वारा कोई पर्यवेक्षक भेजने की जानकारी नहीं है। हम भारत जैसे उन्नत लोकतांत्रिक देशों में चुनावों के मामले में आम तौर पर ऐसा नहीं करते हैं।'' उन्होंने कहा, हम भारत में अपने साझेदारों के साथ अपने सहयोग को गहरा और मजबूत करने के लिए उत्सुक हैं। भारत में लोकसभा चुनाव के पहले चरण के तहत देश की 102 सीट पर मतदान हो रहा है। उन्होंने रूस-यूक्रेन संघर्ष या गाजा में जारी युद्ध के मद्देनजर शांति स्थापित करने में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित विश्व के नेताओं द्वारा भूमिका निभाने के विचार का स्वागत किया।

तेहरान जाने वालीं सभी उड़ानें निलंबित

- ईरानी दूतावास पर एयर स्ट्राइक के बाद खराब होते जा रहे हैं पश्चिम एशिया में हालात

तेहरान। सीरिया की राजधानी दमिश्क में ईरानी दूतावास पर एयर स्ट्राइक के बाद पश्चिम एशिया में हालात लगातार खराब होते जा रहे हैं। कुछ दिनों पहले ईरान ने 300 से ज्यादा ड्रोन और मिसाइल से इजरायल पर हमला कर दिया था। इजरायल ने इनमें से 99 फीसद ड्रोन और मिसाइल को निष्क्रिय करने का दावा किया था। अब इजरायल ने इसका जवाब दिया है। मित्र राष्ट्रों के संयम बरतने की अपील को दरकिनार करते हुए इजरायल ने ईरान पर मिसाइल से हमला किया है। मीडिया रिपोर्ट में ईरान के पावर और न्यूक्लियर प्लांट को निशाना बनाने का दावा किया जा रहा है। हालांकि, ईरान ने इन रिपोर्ट्स को खारिज किया है। दूसरी तरफ, तेहरान और शिराज जाने वाली फ्लाइट्स को सस्पेंड कर दिया गया है। ईरान की सरकारी मीडिया के हवाले से बताया है कि तेहरान, इस?फ़हान और शिराज जाने वाली फ्लाइट्स को सस्पेंड कर दिया गया है। इस?फ़हान एयरपोर्ट के पास धमाके की सूचना के बाद उड़ानों को सस?पेंड करने का फैसला किया गया है। इस्फ़हान एयरपोर्ट के समीप स्थित कहजवारिस्तान में धमाका हुआ। यह उत्तर-पश्चिम इस्फ़हान में स्थित एयरपोर्ट और 8वीं शेखरी आर्मी एयरफोर्स बेस के बीच मौजूद है। सामरिक और रणनीतिक रूप से इस जगह को बेहद संवेदनशील माना जाता है। ईरान के परमाणु संयंत्र को नुकसान पहुंचने की खबरों के बीच ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कोर ने देश के न्यूक्लियर प्लांट को पूरी तरह से सुरक्षित बताया है। एक न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार आईआरजीसी के एक वरिष्?ठ कमांडर ब्रिगेडियर जनरल अहमद हजतलब ने परमाणु संयंत्रों को पूरी तरह से सेफ़ बताया है। ब्रिगेडियर जनरल अहमद हजतलब आईआरजीसी की उस यूनिट के चीफ हैं, जिसके पास न्यूक्लियर प्लांट की सुरक्षा की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि उनकी अंगुलियां हमेशा ट्रिगर पर रहती हैं, ताकि किसी भी तरह के दुस्साहस का माकूल जवाब दिया जा सके।

पाकिस्तान में आत्मघाती हमले में दो लोगों की मौत, तीन घायल

- आतंकियों ने जापानी नागरिकों को किया टारगेट

कराची। पाकिस्तान में सुदूर इलाकों से लेकर शहरों तक आतंकी हमले हो रहे हैं। शुक्रवार की सुबह कराची के लांधी इलाके में एक आत्मघाती हमला हुआ। यह हमला जापानी नागरिकों को लेकर जा रही एक गाड़ी पर किया गया। इस हमले में दो लोगों की मौत हुई है, जबकि पांचों जापानी नागरिक सुरक्षित हैं, जो कार में सवार थे। मिली जानकारी के अनुसार पाकिस्तानी पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आत्मघाती हमलावर और दो आतंकवादी मारे गए हैं। पाकिस्तानी टीवी चैनल ने पुलिस सूत्रों के हवाले से बताया कि धमाके के बाद एक आतंकी गाड़ी को निशाना बनाकर फायरिंग कर रहा था। सिंध के गवर्नर ने इस हमले की निंदा की है और मौके पर आईजी को जांच के लिए भेजा गया है। उन्होंने कहा कि कराची जैसे शहर में आतंकवाद को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पाकिस्तान पुलिस के प्रवक्ता अबरार हुसैन ने बताया कि जापानी नागरिकों को सुरक्षित ठिकाने पर भेजा गया है। फिलहाल पुलिस उनकी सुरक्षा में तैनात है। फिलहाल किसी आतंकी समूह ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। पाकिस्तान में आए दिन ऐसे आतंकी हमले होते रहे हैं, जिनमें पाले तालिबान और अलकायदा जैसे संगठन शामिल रहे हैं। इसके अलावा अलगाववादी उग्रवादी समूह बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी की ओर से भी पाकिस्तान पर हमले किए जाते हैं। यह पहला मौका है, जब जापानी नागरिकों को टारगेट किया गया है। कराची पुलिस ने कहा है कि यह आत्मघाती हमला था। इस हमले में एक और वाहन को नुकसान पहुंचा है।

दक्षिण कोरिया में ट्यूलिप समारोह के दौरान सेल्फी लेते हुए लोग।

भारतीय मूल के प्रोफेसर को जापानी विश्वविद्यालय ने अंतरराष्ट्रीय फेलो के रुप में चुना

ह्यूस्टन (एजेंसी)। ह्यूस्टन विश्वविद्यालय के 'कुलेन कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग' में सेवारत, 'ग्लोबल एनर्जी पुरस्कार विजेता, भारतीय मूल के प्रोफेसर कौशिक राजशेखर को जापान की इंजीनियरिंग अकादमी के अंतरराष्ट्रीय फेलो के रूप में चुना गया है। विश्वविद्यालय ने इसकी जानकारी दी।

इस संबंध में कहा गया कि मूल रूप से कर्नाटक के एक छोटे से गांव के रहने वाले प्रोफेसर राजशेखर को बिजली रूपांतरण और परिवहन के विद्युतीकरण में उनके योगदान के लिए चुना गया हैं अकादमी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय फेलो के रूप में राजशेखर का चयन विशेष रूप से ''उस ऊर्जा में उनके उत्कृष्ट वैज्ञानिक अनुसंधान और वैज्ञानिक-तकनीकी क्षेत्र में उनके योगदान का सम्मान करता है जो संपूर्ण मानव जाति के हित में पृथ्वी पर ऊर्जा स्रोतों के लिए अधिक दक्षता और पर्यावरणीय सुरक्षा को बढ़ावा देती है।'' राजशेखर ने कहा, ''जापान की इंजीनियरिंग अकादमी के अंतरराष्ट्रीय फेलो के रूप में चुने जाने पर मैं बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूं। यह एक ऐसी उपलब्धि है जिसका मैं बहुत सम्मान करता हूं।राजशेखर को 2022 में 'ग्लोबल एनर्जी एसोसिएशन ने अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा के क्षेत्र के सर्वाधिक प्रतिष्ठित पुरस्कार 'ग्लोबल एनर्जी पुरस्कार' से सम्मानित किया था।

ईरान पर हुआ इजराइली हमला

-नहीं माने नेतन्याहू! ईरान के कई शहरों पर दागीं खतरनाक मिसाइलें, एयरपोर्ट पर हुए धमाके

तेलअवीव (एजेंसी)। युद्ध की आशंकाओं के बीच खबरें हैं कि इजरायल मिसाइलों ने ईरान में हमला कर दिया है। इसके चलते ईरान के ईसाफहान शहर के एयरपोर्ट पर जबरदस्त धमाका सुना गया। हालांकि, इसकी वजह अब तक साफ नहीं हो सकी है। खास बात है कि ईसफहान में कई न्यूक्लियर साइट मौजूद हैं। कुछ दिन पहले ही ईरान ने भी इजरायल के खिलाफ कार्रवाई की थी।

बीते दिनों ईरान ने इस्राइल पर 300 से ज्यादा मिसाइलों और ड्रोन्स से हमला किया था। हालांकि ये मिसाइलें और ड्रोन्स इस्राइल की हवाई सुरक्षा को नहीं भेद पाईं थी। दरअसल ईरान के दमिश्क स्थित दूतावास पर हमला हुआ था। इस हमले में ईरान की सेना के दो शीर्ष कमांडर्स समेत सात लोगों की मौत हुई थी। ईरान ने इस हमले का आरोप इस्राइल पर लगाया था। इसी हमले के जवाब में ईरान ने इस्राइल पर हमला किया था। हमले के बाद ईरान ने चेतावनी दी थी कि अगर इस्राइल ने उन पर हमला किया तो वे और ताकत के साथ पलटवार करेंगे। अमेरिका के शीर्ष अधिकारियों के हवाले से अमेरिकी मीडिया ने यह जानकारी दी है। ईरान के एयरपोर्ट पर तेज धमाके की आवाज सुनी गई है। ईरान की मीडिया ने भी दावा किया है कि ईरान के शहर इसाफान के एयरपोर्ट में धमाके की आवाज सुनी गई है। हालांकि विस्फोट की वजह का अभी तक खुलासा नहीं हुआ है। गौरतलब है कि ईरान के कई परमाणु ठिकाने इसाफान प्रांत में ही स्थित हैं, जिनमें ईरान में यूरेनियम संवर्धन का प्रमुख केंद्र भी यहीं पर मौजूद है। अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरान के हवाई क्षेत्र में कई फ्लाइट्स के मार्ग बदले गए हैं।

ईरान और इस्राइल के बीच तनाव का यह मामला संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भी उठा था। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में इजरायल ने मांग की थी ईरान की सेना को आतंकी संगठन घोषित किया जाए। वहीं ईरान ने इजरायल को चेताया था कि अगर उसने ईरान पर हमले की कोशिश की तो उसके नतीजे गंभीर होंगे। ईरान ने अमेरिका से भी दोनों देशों के बीच न आने की चेतावनी दी थी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने दोनों देशों से अपील की थी कि वे शांति से मामला निपटाएं क्योंकि पश्चिम एशिया एक और युद्ध झेलने की स्थिति में नहीं है। कई विशेषज्ञों ने आशंका जताई है कि अब इजरायल हमास युद्ध के बाद इजरायल ईरान तनाव से पूरे अरब क्षेत्र में तनाव बढ़ सकता है।

पाकिस्तान को आर्थिक स्थिति से उबारने और स्थिर करने आईएमएफ करेगा मदद

-वर्तमान में गंभीर आर्थिक और सुरक्षा चुनौतियों का सामना कर रहा पाकिस्तान

वाशिंगटन (एजेंसी)। पाकिस्तान को आर्थिक स्थिति से उबारने और स्थिर करने के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) मदद करने को तैयार है। आईएमएफ में पश्चिम एशिया व मध्य एशिया विभाग के निदेशक जिहाद अज़ोर ने आईएमएफ और विश्व बैंक की एक बैठक में पत्रकारों से कहा कि कुछ प्रमुख चुनौतियों से निपटने में मदद के लिए एक नए कार्यक्रम बनाया जाएगा। पाकिस्तान के वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब आईएमएफ की बैठकों में भाग लेने के लिए अमेरिकी में हैं। पाकिस्तान गंभीर आर्थिक और सुरक्षा चुनौतियों का सामना कर रहा है। आईएमएफ अधिकारी ने आशा व्यक्त की कि पिछली समीक्षा सफल रही थी और इसे निदेशक मंडल के सामने रखा जाएगा। इससे उस कार्यक्रम को समाप्त कर दिया जाएगा जिसने पाकिस्तान को आर्थिक असंतुलन को दूर करने और उसकी आर्थिक स्थिरता बनाए रखने में मदद की थी। 10 महीने पहले शुरू किए गए मौजूदा कार्यक्रम के दम पर पाकिस्तान ने आर्थिक स्थिरता के मामले कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं। निदेशक अज़ोर ने कहा कि उन उपायों ने पाकिस्तान को अपना भंडार बढ़ाने की अनुमति दी। वर्तमान में अधिकारियों ने पाकिस्तान को कुछ प्रमुख चुनौतियों से निपटने में मदद करने के लिए एक नए कार्यक्रम में रुचि व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि इनमें से एक है व्यापक आर्थिक स्थिरता को बनाए रखना। इसके लिए बजट घाटे के स्तर को कम करने तथा राजस्व स्थिति में सुधार करके राजकोषीय स्थिति को मजबूत करने के वास्ते राजकोषीय पक्ष पर काम जारी रखने की जरुरत होगी, जो अतीत में मुख्य चुनौतियों में से एक थी। राजस्व बढ़ने से सरकार को न केवल ऋण की स्थिति का समाधान करने में मदद मिलेगी बल्कि अतिरिक्त सामाजिक सहायता प्रदान करने की भी गुंजाइश होगी।

इजरायल के एयरस्ट्राइक के बाद ईरान ने इमरजेंसी बैठक बुलाई

- अमेरिका ने कहा हम इसका समर्थन नहीं करते

तेहरान (एजेंसी)। इजरायल ने ईरान पर एयरस्ट्राइक कर उसके कई शहरों को निशाना बनाया है। ईरान हमले का जवाब इजरायल की ओर से दिया गया है। कुछ दिन पहले ईरान ने इजरायल के कई शहरों पर हमले का दावा किया था। अब इजरायल के अटैक के बाद ईरान ने इमरजेंसी बैठक बुलाई है। ईरान ने साफ किया था कि जवाबी कार्रवाई का कोई हमला होता है, तब ईरान चुप नहीं बैठेगा। मीडिया रिपोर्ट में अमेरिका के वरिष्ठ अधिकारियों के हवाले से कहा कि इजरायली मिसाइलों ने ईरानी साइट पर हमला किया था, जिसके कुछ घंटों बाद मीडिया ने बताया कि ईरान की हवाई सुरक्षा ने केंद्रीय शहर इस्फहान के ऊपर तीन छोटे ड्रोनों को मार गिराया। ईरानी मीडिया ने इस्फहान में विस्फोटों की सूचना दी, क्योंकि हवाई सुरक्षा सक्रिय कर तेहरान और इस्फहान सहित कई क्षेत्रों में उड़ानें निलंबित कर दी गई थीं।

इस्फहान ईरान का रणनीतिक तौर पर अहम शहर है। जिस पर इजरायल की तरफ से अटैक हुआ है। ईरान के सैन्य अनुसंधान भी इसी शहर में हैं। इसके बाद इस्फहान शहर पर इजरायल के अटैक से तमाम अनुसंधान को नुकसान पहुंचाना मकसद है।

अमेरिकी मीडिया ने बताया कि अमेरिका को इजरायल के कथित हमले के बारे में पहले ही जानकारी थी। हालाँकि, उन्होंने ऑपरेशन का समर्थन नहीं किया या इसमें भाग नहीं लिया। अमेरिका ने कहा था कि वह इजरायल की रक्षा का समर्थन करेगा लेकिन किसी भी आक्रामक अभियान में भाग नहीं लेगा। देश ने ईरान के खिलाफ नए आर्थिक प्रतिबंधों की भी घोषणा की थी। एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया, हमने प्रतिक्रिया का समर्थन नहीं किया। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान ने इस्फहान में एयर डिफेंस बैटरियों का इस्तेमाल किया। इजरायली सेना और व्हाइट हाउस ने अब तक आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है।

राष्ट्रपति जरदारी ने संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए राग कश्मीर अलापा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित कर कश्मीर मुद्दा उठाया और दक्षिण एशिया में शांति और विकास सुनिश्चित करने के लिए इसका समाधान करने की आवश्यकता पर जोर दिया। जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी के सांसदों द्वारा सरकार के खिलाफ की जा रही नारेबाजी के बीच, राष्ट्रपति जरदारी ने राजनीतिक नेताओं से नकदी संकट से जूझ रहे देश के समक्ष चुनौतियों से निपटने के लिए ध्रुवीकरण की राजनीति छोड़ने का आग्रह किया।

राष्ट्रपति जरदारी ने कश्मीर को लेकर कहा कि भारत को पांच अगस्त, 2019 के बाद से उठाए गए सभी कदमों को वापस लेना चाहिए और कश्मीर के लोगों को अपना भविष्य तय करने अनुमति देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि दक्षिण एशिया क्षेत्र में विकास के लिए

शांति का माहौल आवश्यक है, और कश्मीर मुद्दे का समाधान शांति की कुंजी है। उधर भारत ने पाकिस्तान को स्पष्ट कह दिया हैं कि संपूर्ण केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और लद्दाख देश के अभिन्न और अविभाज्य हिस्से हैं।

दूसरी बार राष्ट्रपति चुने गए जरदारी ने कहा कि वह एकजुट होकर सभी चुनौतियों से निपटने में राष्ट्र की ताकत में विश्वास करते हैं। जरदारी ने कहा, ''देश को अब ध्रुवीकरण से हटकर समसामयिक राजनीति की ओर बढ़ने की जरूरत है। इस संयुक्त सदन को संसदीय प्रक्रिया में जनता का विश्वास बहाल करने में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए।''

पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के सह-अध्यक्ष जरदारी गठबंधन सरकार के उम्मीदवार थे और उन्होंने पिछले महीने 14वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली थी। जरदारी ने सभी प्रांतों के लिए अवसरों की समानता पर आधारित एक समावेशी विकास मॉडल विकसित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि विदेशी निवेश को आकर्षित करना देश का प्राथमिक उद्देश्य होना चाहिए। उन्होंने सरकार से मौजूदा नियमों को सरल बनाने और घरेलू और विदेशी निवेशकों के लिए एक माहौल बनाने के लिए कहा।

रूस ने यूक्रेन के पांच गुब्बारों को गिराने का दावा किया

मास्को। फरवरी 2022 में युद्ध शुरू होने के बाद से यूक्रेन की सेना युद्ध में नयी नयी तरकीब अपना रही है। रूसी सेनाओं के खिलाफ ड्रोन का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। रूसी मीडिया संस्थानों की खबरों के अनुसार, यूक्रेन के गुब्बारे जीपीएस मॉड्यूल और विस्फोटक से लैस होते हैं। इनका पता लगाना कठिन होता है और ये छोटे ड्रोन की तुलना में ज्यादा हथियार ढो सकते हैं। ऐसे ही गुब्बरों को लेकर रूसी रक्षा मंत्रालय ने दावा करते हुए कहा कि रूसी वायु सैन्य बलों ने यूक्रेन के पांच गुब्बारों को नष्ट कर दिया। जबकि इस मामले में दोनों ही देशों ने विस्तृत विवरण नहीं दिया है। यह स्पष्ट नहीं है कि क्या हीलियम या गर्म हवा से इन गुब्बारों का संचालन होता है। ये गुब्बारे हवा में ज्यादा देर तक उड़ने में सक्षम नहीं हैं। यदि गुब्बारा किसी विशिष्ट क्षेत्र में छोड़ा जाता है, तो जीपीएस मॉड्यूल का उपयोग विस्फोटकों को गिराने के लिए किया जाता है, जिसका उद्देश्य जमीन पर दहशत फैलाना और रूसी वायु रक्षा प्रतिष्ठानों का ध्यान भटकाना है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यूक्रेन के तीन गुब्बारे और एक ड्रोन वोरोनिश क्षेत्र में नष्ट कर दिए गए। दो गुब्बारों को रूस के बेलगोरोड क्षेत्र में नष्ट कर दिया गया। रूस ने यह भी दावा किया कि उसने रात के दौरान यूक्रेन की दो मिसाइल, कई रॉकेट लॉन्चर से दागे गए 19 रॉकेट और 16 ड्रोन को गिरा दिया। रक्षा मंत्रालय ने यह भी कहा कि दक्षिणी रूस के रोस्तोव क्षेत्र में तीन ड्रोन नष्ट कर दिए गए। खबरों में कहा गया है कि इस सप्ताह की शुरुआत में लिपेत्स्क और कुर्स्क क्षेत्रों में रूसी वायु रक्षा बलों द्वारा गिराए गए गुब्बारे मोर्टार बम से लैस थे। यूक्रेन को रूस की मजबूत सेना के खिलाफ युद्ध के मैदान में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि पश्चिमी देशों से उसे सैन्य हथियारों का सहयोग मिलना कम हो गया है।

दुबई में भारतीय वाणिज्य दूतावास ने भारी बारिश से प्रभावित, गैर-जरूरी यात्रा को फिर से निर्धारित करने की दी गई सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। संयुक्त अरब अमीरात में भारतीय दूतावास ने दुबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से यात्रा करने वाले या वहां से जाने वाले भारतीय यात्रियों को शहर में परिचालन सामान्य होने तक गैर-जरूरी यात्रा को पुनर्निर्धारित करने की सलाह दी है, जहां इस सप्ताह के शुरू में अभूतपूर्व बारिश के कारण बाढ़ आ गई थी। अबू धाबी में भारतीय दूतावास ने कहा कि इस सप्ताह की शुरुआत में संयुक्त अरब अमीरात में अभूतपूर्व मौसम की स्थिति के कारण व्यवधान के कारण, दुबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे ने अस्थायी रूप से आने वाली उड़ानों की संख्या सीमित कर दी है।

एडवाइजरी में कहा गया है कि दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से यात्रा करने वाले या वहां से आने वाले भारतीय यात्रियों को परिचालन सामान्य होने तक गैर-जरूरी यात्रा को पुनर्निर्धारित करने की सलाह दी जाती है। दूतावास ने सलाह में आगे कहा कि यूएई अधिकारी ऑपरेशन को सामान्य बनाने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं। इस बीच, दुबई में हवाईअड्डे के अधिकारियों को सलाह दी गई है कि यात्री उड़ान की प्रस्थान तिथि और समय के संबंध में संबंधित एयरलाइंस से अंतिम पुष्टि के बाद ही हवाईअड्डे की यात्रा कर सकते हैं।

बयान में कहा गया कि दुबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भारतीय नागरिकों की सहायता के लिए, दुबई में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर चालू किए हैं जो 17 अप्रैल से काम कर रहे हैं। आपदा के बाद दुबई में फंसे भारतीयों की मदद के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए हैं। संयुक्त अरब अमीरात इस सप्ताह रिकॉर्ड-सेटिंग बारिश होने के बाद वापसी करने की कोशिश कर रहा है, जिसके कारण दुबई और आसपास के इलाकों में बड़े पैमाने पर बाढ़ आ गई है।

दुबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के रनवे जलमग्न हो गए, जिसके परिणामस्वरूप उड़ानें रद्द कर दी गईं। रिकॉर्ड बनाए गए 75 वर्षों में संयुक्त अरब अमीरात में हुई भारी बारिश सबसे भारी थी।

100 रुपये की शर्त पर युवक ने इमाम चौक पर भगवा झंडा लगाने की कोशिश की

कन्नौज। कन्नौज में रामनवमी शोभायात्रा के दौरान माहौल बिगाड़ने की कोशिश की गई। लेकिन लोगों और पुलिस की तत्परता से समय रहते हालात पर काबू पाया गया। दरअसल, एक युवक भगवा झंडा लेकर धर्म विशेष से जुड़े स्थल इमाम चौक के पास स्थित चबूतरे पर चढ़ गया। लेकिन युवक वहां झंडा लगा पाता लोगों ने युवक को पकड़ लिया। पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई थी, जिसके आधार पुलिस ने अब आरोपियों पर एक्शन लिया है। बता दें कि मामला 17 अप्रैल का है, जब कन्नौज में रामनवमी के मौके पर शोभायात्रा निकाली जा रही थी। बड़ी संख्या में लोग शोभायात्रा में शामिल थे। तभी अचानक से एक युवक भगवा झंडा लेकर इमाम चौक के चबूतरे पर चढ़ गया। युवक वहां पर झंडा फहराने की कोशिश कर रहा था, लेकिन मौके पर मौजूद लोगों ने युवक को रोककर चबूतरे से उतार दिया। घटना के बाद इलाके में तनाव फैल गया। दो पक्ष आमने-सामने आ गए। पुलिस भी अलर्ट हो गई। जांच-पड़ताल के दौरान सीसीटीवी के आधार पर चार आरोपियों की पहचान हुई, जिन्हें कन्नौज पुलिस ने अब गिरफ्तार कर लिया है। मामले को लेकर एसपी अमित कुमार आनंद ने बताया कि जो युवक इमाम चौक के चबूतरे पर झंडा लेकर चढ़ा था उसका नाम अभय है। उसके तीन दोस्तों ने झंडा लगाने के लिए 100 रुपये की शर्त लगाई थी। उसी शर्त को पूरा करने के लिए अभय ने ये हरकत की। कन्नौज एसपी के मुताबिक, 17 अप्रैल को रामनवमी की शोभायात्रा निकल रही थी। शोभा यात्रा के दौरान रास्ते में इमाम चौक के पास चबूतरा पड़ता है। ये दूसरे समुदाय के लिए धार्मिक कार्यों में प्रयोग किया जाता है। जब शोभायात्रा चौक के पास पहुंची तब यात्रा में शामिल युवक अचानक झंडा लेकर चबूतरे पर चढ़ गया। लेकिन लोगों ने युवक को उतार दिया। इसके बाद युवक को पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन भीड़ का फायदा उठाकर भाग गया। शुक्रवार को चार अभियुक्तों की गिरफ्तारी की गई है।

यूबीजीएल सेल ब्लास्ट में जवान घायल

बीजापुर । बीजापुर जिले के गलगम इलाके में एरिया डॉमिनेशन पर निकली सीआरपीएफ की टीम में तैनात एक जवान यूबीजीएल सेल ब्लास्ट होने से जख्मी हो गया। पुलिस के मुताबिक गलगम पोलिंग बूथ से 500 मीटर की दूरी पर एरिया डॉमिनेशन पर पार्टी निकली थी। घायल जवान का प्राथमिक उपचार कर इवाक्यूएट किया जा रहा है। भैरमगढ़ ब्लॉक के चिह्का में आईईडी ब्लास्ट में एक जवान के घायल होने की जानकारी मिल रही है। जिले के भैरमगढ़ ब्लॉक के अतिसंवेदनशील ग्राम चिह्का में एरिया डॉमिनेशन के दौरान आईईडी ब्लास्ट होने से सीआरपीएफ के सहायक सेनानी मनु एचसी घायल हो गए हैं। उन्हें बायें हाथ और बायें पैर में चोट आई है। यह घटना चिह्का पोलिंग बूथ के आसपास के दायरे में एरिया डॉमिनेशन के दौरान हुई है। घायल को प्राथमिक उपचार के बाद ईवाक्यूएट किया जा रहा है। वहीं घटना पर सीएम साय ने दुख जताया है। साय ने कहा कि बस्तर लोकसभा में जारी मतदान के बीच बीजापुर में एक जवान के घायल होने की दु:खद सूचना प्राप्त हुई है। घायल जवान के उचित इलाज के निर्देश दिए हैं और उसकी हालत खतरे से बाहर है। जवान के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

बाबा रामदेव को आदेश, सभी शिकायतकर्ता को मामले में पक्षकार बनाएं

नई दिल्ली । बाबा रामदेव ने कोविड महामारी के दौरान एलोपैथिक दवाईयों को लेकर की गईं कथित टिप्पणियों के मामले में आपराधिक कार्रवाई पर रोक की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। शुक्रवार को याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने बाबा रामदेव को उनके खिलाफ शिकायत करने वाले सभी शिकायतकर्ता को मामले में पक्षकार बनाने का निर्देश दिया है। पटना और रायपुर के आईएमए ने साल 2021 में बाबा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में कहा गया था कि बाबा की कथित टिप्पणियों से लोगों को एलौपैथिक दवाईयों से मोहभंग हुआ और लोगों ने सही से इलाज नहीं कराया। इसकारण कोरोना को नियंत्रित करने में परेशानी हुई। बाबा की याचिका पर सुनवाई कर जस्टिस सुंदरेश और जस्टिस वराले की पीठ ने शिकायतकर्ताओं को पक्षकार बनाने को कह दिया। कोर्ट ने मामले पर सुनवाई गर्मियों की छुट्टियों के बाद तक के लिए टाल दी है। बिहार सरकार की ओर से कोर्ट में पेश हुए वकील ने कहा कि उन्हें मामले में जवाब दाखिल करने के लिए कुछ और समय चाहिए। बाबा ने अपनी याचिका में केंद्र सरकार, बिहार सरकार, छत्तीसगढ़ सरकार और आईएमए को पक्षकार बनाया हुआ है। बाबा रामदेव ने साल 2021 में अपने एक बयान में कहा था कि वे एलोपैथिक दवाओं पर विश्वास नहीं करते हैं। बाबा रामदेव के बयान से नाराज होकर उनके खिलाफ कई मामले दर्ज हुए थे।

मुंबई में अलग-अलग जगह लगी आग, कोई जनहानि नहीं

मुंबई। मायानगरी मुंबई में आग लगने की दो अलग-अलग घटनाएं हुईं। एक औद्योगिक परिसर में स्थित एक गोदाम और सड़क किनारे एक दर्जन से ज्यादा झुग्गियों में भीषण आग लग गई। दोनों ही घटनाओं में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। नगर निगम अधिकारी ने बताया कि दक्षिण मुंबई में रेय रोड पर देवीदयाल कंपाउंड में पूर्वाह्न करीब साढ़े दस बजे भीषण आग लग गई। उन्होंने बताया, औद्योगिक परिसर के भीतर एक मंजिला गोदाम में आग लगी थी, जो वहीं तक सीमित रही। फायर बिग्रेड की 12 गाड़ियां और अन्य दमकल ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया गया। अधिकारियों के मुताबिक, वहीं दूसरी घटना पवई इलाके की है, जहां सड़क किनारे एक दर्जन से अधिक झुग्गियों में सुबह करीब सवा ग्यारह बजे आग लग गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग का एक दल मौके पर पहुंचा और आग पर काबू पा लिया गया। नगर निगम के अधिकारी ने बताया, आग की घटना में कोई घायल नहीं हुआ है। दोनों ही मामलों में आग का कारण अज्ञात है।

सड़क नहीं होने से नाराज दो गांववालों ने किया चुनाव का बहिष्कार

-अधिकारियों के मनाने के बावजूद नहीं माने

चंपावत। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के विधानसभा क्षेत्र चंपावत के दो गांवों के लोग अधिकारियों के मनाने के बावजूद लोकसभा चुनाव में मतदान करने नहीं पहुंचे हैं। लंबे समय से गांव तक सड़क की मांग कर रहे कोट अमोड़ी और सैदर्का गांवों के लोगों का कहना है कि अपनी अनदेखी के कारण उन्होंने चुनाव के बहिष्कार का फैसला किया है। दोनों गांवों में करीब 200 मतदाता हैं। जिला प्रशासन द्वारा शुक्रवार को मतदान के दिन भी उन्हें मनाने का प्रयास किया गया लेकिन वे नहीं माने। इसके पहले अपर जिलाधिकारी उन्हें मतदान के लिए मनाने का प्रयास कर चुके हैं। एक ग्रामीण ने कहा कि गांव वालों के पास इसके अलावा कोई विकल्प नहीं है। चंपावत के जिलाधिकारी और जिला निर्वाचन अधिकारी नवनीत पांडे ने बताया कि प्रशासन का प्रयास है कि हर मतदाता को अपना वोट देने के लिए जागरूक किया जाए।

अन्नामलाई का आरोप, मुझे हराने द्रमुक और अन्नाद्रमुक करोड़ खर्च कर रही

तमिलनाडु के लोग पीएम मोदी के साथ

कोयंबटूर । तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष और कोयंबटूर सीट से पार्टी उम्मीदवार के अन्नामलाई ने कहा कि द्रविड़ राजनीति का समय खत्म हो गया है और उन्होंने सत्तारूढ़ द्रमुक और अन्नाद्रमुक पर मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए कोयंबटूर में 1,000 करोड़ रुपये खर्च करने का आरोप लगाया। अन्नामलाई ने उथुपट्टी मतदान केंद्र पर वोट डालने के बाद यह टिप्पणी की। 4 जून को एनडीए के लिए ऐतिहासिक परिणाम का विश्वास व्यक्त कर आईपीएस अधिकारी से नेता बने अन्नामलाई ने कहा कि भाजपा तमिलनाडु में वोट शेयर में वृद्धि देखेगी। अन्नामलाई ने कहा तमिलनाडु के लोग पीएम मोदी के साथ हैं। कर्नाटक में, हम इस बार क्लीन स्वीप की उम्मीद कर रहे हैं। भाजपा का नंबर होगा तेलंगाना में इस बार वोट शेयर में बहुत बड़ा शानदार परिणाम देगी। द्रविड़ राजनीति का समय खत्म हो गया है। भाजपा ने अन्नामलाई को डीएमके के गणपति पी राजकुमार और एआईएडीएमके के सिंगाई रामचंद्रन के खिलाफ खड़ा किया गया है। तमिलनाडु की सभी 39 सीटों पर पहले चरण में मतदान हो रहा है। वोट डालने के बाद भाजपा नेता ने सत्तारूढ़ द्रमुक और अन्नाद्रमुक पर मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए कोयंबटूर में 1,000 करोड़ रुपये से अधिक खर्च करने का आरोप लगाया। द्रमुक, अन्नाद्रमुक कोयंबटूर में क्या कर रहे हैं, हर कोई देख रहा है।

नड्डा का बड़ा आरोप, देश विरोधी संगठन राहुल गांधी के समर्थन में

-कांग्रेस और सीपीआई दोनों देश विरोधी ताकतों के साथ

वायनाड (एजेंसी)। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा केरल के वायनाड में रोड शो किया। उन्होंने कहा कि केरल में उपस्थित होना मेरे लिए सम्मान की बात है। जिस उत्साह के साथ आपने रोड शो में भाग लिया है, उससे एक बात स्पष्ट है कि आपने वायनाड में हमारे उम्मीदवार को आशीर्वाद देने का मन बना लिया है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ हमारे उम्मीदवार के चयन के बारे में नहीं है, बल्कि 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की जिम्मेदारी लेने के बारे में भी है। नड्डा ने कहा कि हमें यह बताकर खुशी हो रही है कि भारत, जो 10 साल पहले 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था थी, ने एक लंबी छलांग लगाकर अब दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। उन्होंने दावा किया कि पीएम मोदी ने सभी को विकास के रास्ते पर ला दिया है। उनकी नीतियों ने गांवों को मजबूत किया है और युवाओं, किसानों, महिलाओं और समाज के अन्य वंचित वर्गों को सशक्त बनाया है। उन्होंने कहा कि एक तरफ हमारे उम्मीदवार हैं, भाजपा के प्रतिनिधि हैं और मोदी जी का नेतृत्व है। दूसरी ओर, आपके पास कांग्रेस से राहुल गांधी हैं। मुझे आश्चर्य है कि राहुल गांधी को चुनाव लड़ने के लिए भागकर वायनाड क्यों आना पड़ा? नड्डा ने कहा कि राहुल और कांग्रेस को देश की परवाह नहीं है। वे वंशवाद द्वारा शासन में विश्वास करते हैं, जो भारतीय लोकतंत्र के लिए हानिकारक है। नड्डा ने बड़ा आरोप लगाकर कहा कि एसडीपीआई और पीएफआई, जो देश विरोधी संगठन हैं, राहुल गांधी और कांग्रेस का समर्थन करते हैं। ये संगठन राज्य चुनावों के दौरान सीपीआई का समर्थन करते हैं और राष्ट्रीय चुनावों के दौरान कांग्रेस का समर्थन करते हैं। यह स्पष्ट है कि कांग्रेस और सीपीआई दोनों देश विरोधी ताकतों के समर्थक हैं।

कोर्ट में दिल्ली सीएम के जेल में खाने का मेन्यु चार्ट पेश

- केजरीवाल ने जेल में तीन बार आम और एक बार पूड़ी खाई

नई दिल्ली। शराब घोटाले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की तिहाड़ जेल में नियमित जांच और इंसुलिन देने की मांग वाली याचिका पर राउज एवेन्यू कोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई हुई। कोर्ट में एक बार फिर केजरीवाल के खाने का मुद्दा उठा। कोर्ट में खाने का मेन्यु चार्ट पेश किया गया जिसमें केजरीवाल ने इतने दिनों में क्या-क्या खाया उसका विवरण मौजूद था। सीएम केजरीवाल के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कोर्ट को बताया कि सीएम केजरीवाल के लिए जेल में 48 बार घर का खाना गया, जिसमें से सिर्फ 3 बार ही आम भेजा गया था। उन्होंने कहा कि 8 अप्रैल के बाद से केजरीवाल को खाने में आम नहीं भेजा गया। वहीं 48 बार में से सिर्फ एक बार नवरात्रि के चलते खाने में पूड़ी भेजी गई थी। इस पर ईडी ने कोर्ट को बताया कि जेल ऑथॉरिटी की तरफ से भी केजरीवाल के डायट चार्ट की रिपोर्ट आ रही है। वहीं दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल की नियमित जांच और शूगर के लिए इंसुलिन मुहैया कराने की मांग पर कोर्ट ने केजरीवाल के वकील अभिषेक मनु सिंघवी से सभी को याचिका की कॉपी देने को कहा गया। कोर्ट ने कहा कि हमें अभी इस बारे में नहीं पता है कि याचिका में क्या मांग की गई है। इस पर वकील सिंघवी ने कहा कि उन्होंने ईडी को अर्ज़ी की कॉपी दे दी थी।

'100 साल में खत्म हो जाएगी दुनिया, इसलिए नहीं देखता मोबाइल',

आखिर नीतीश कुमार ने ऐसा क्यों कहा

पटना (एजेंसी)। एक चुनावी सभा में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बड़ा खुलासा करते हुए कहा कि वह अब मोबाइल नहीं देखते हैं। इसको लेकर उन्होंने काफी विस्तार से बताया। नीतीश कुमार ने दावा किया कि मोबाइल की वजह से 100 साल में धरती खत्म हो जाएगी। वह बिहार के बांका में चुनावी सभा को संबोधित करने पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि 2019 में उन्हें पता चला कि 100 साल में दुनिया खत्म हो जाएगी। इसके बाद मैंने मोबाइल देखना बंद कर दिया। दरअसल, नीतीश ने एक नेता को मंच पर मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते हुए देखा। इसी के बाद उन्होंने यह सारी बातें कह दी। उन्होंने कहा कि जब धरती खत्म हुई, यही आ गया है और एक-एक आदमी देखते रहिए, हर चीज भूल जाएगा।

नीतीश ने कहा कि सब चीज एक बार में ही खत्म हो जाएगा। हम सबको मना करते हैं। लेकिन सब इसी को यानी कि मोबाइल को देखते रहते हैं। हालांकि नीतीश ने फिर इसे मजाकिया लहजे में कहा कि मैं तो मजाक कर रहा हूं। आजकल यही पॉपुलर है तो क्या कीजिएगा। देखिएगा ही। हम क्यों कुछ कहेंगे। लेकिन हम देखना छोड़ दिए। हमको लगा बड़ी खराब चीज है यह तो एकदम। इसके साथ ही अपनी चुनावी सभा में नीतीश कुमार ने लालू यादव और राबड़ी देवी के राज को याद किया और कहा कि पहले क्या था। पति पत्नी बिहार ने राज किया लेकिन बिहार का क्या हाल था। कहीं कुछ नहीं था कोई शाम में निकल नहीं पता था ।बहुत सारी चुनौतियां थी। हिंदू मुस्लिम की लड़ाई होती रहती थी। लेकिन हम जब आए तो हमने सभी समस्याओं को खत्म किया।

नीतीश ने कहा कि 2005 के पहले की स्थिति को हमने बदला है। हम मुस्लिम लोगों से आग्रह करेंगे कि आप वोट के चक्कर में उनकी ओर ना जाएं। हमने आपके लिए काम किया है। उन्होंने यह भी कहा कि राजनीति में कुछ लोग सिर्फ अपने परिवार को आगे बढ़ाने में लगे रहते हैं। हमलोग समाज के हर तबके के उत्थान के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेशवासियों को अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं मिले, इसे लेकर हमारी सरकार लगातार शानदार कार्य कर रही है।

जनता के आशीर्वाद से राज्य में राम राज्य वापस आएगा : चंद्रबाबू नायडू

-रेड्डी शराब की बिक्री से लोगों का खून निचोड़ रहे

अमरावती (एजेंसी)। टीडीपी सुप्रीमो और पूर्व सीएम एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि आंध्र में राम राज्य वापस आएगा और लोगों से आगामी चुनावों में वाईएसआरसीपी प्रमुख और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी से छुटकारा पाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जनता के आशीर्वाद से राज्य में राम राज्य वापस आएगा। पूर्व सर्वेक्षण साफ तौर पर इन चुनावों में एनडीए की जबरदस्त जीत का संकेत दे रहे हैं।

यह विश्वास व्यक्त कर कहा कि टीडीपी, भाजपा और जनसेना का एनडीए गठबंधन दक्षिणी राज्य में सत्ता में आएगा, टीडीपी सुप्रीमो ने आरोप लगाया कि रेड्डी उन पर हाल ही में हुए कंकड़ (पत्थर) हमले के बारे में लोगों को गुमराह कर रहे हैं। इसके अलावा, उन्होंने आरोप लगाया कि जगन के चाचा (वाई एस विवेकानंद रेड्डी) की हत्या भी एक बड़ा नाटकीय काम था जिसके द्वारा उन्होंने फिर से जनता की सहानुभूति हासिल करने की कोशिश की। हालांकि एनडीए गठबंधन के सहयोगियों के पास रेड्डी की तरह पैसा नहीं है, नायडू ने कहा कि साझेदारों के पास विश्वसनीयता है और वे नैतिक मूल्यों का पालन करते हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि रेड्डी शराब की बिक्री के माध्यम से भी लोगों का खून निचोड़ रहे हैं। उन्होंने जोर दिया कि अगर आंध्र प्रदेश को प्रगतिशील रास्ते पर आगे बढ़ना है, तब एनडीए गठबंधन को सत्ता में आना चाहिए और विश्वास जताया कि पीएम मोदी 400 सीटों के साथ प्रधानमंत्री के रूप में लौटने वाले हैं। दक्षिणी राज्य के देश में शीर्ष पर आने की कामना करते हुए उन्होंने कहा कि यह तभी संभव होगा जब एनडीए यहां सरकार बनाएगी। आंध्र प्रदेश की 175 सदस्यीय विधानसभा और 25 लोकसभा सीटों के लिए 13 मई को चुनाव होने हैं और वोटों की गिनती 4 जून को होगी।

कांग्रेस ने कभी आतंकवाद के खिलाफ आवाज नहीं उठाई : योगी

अमरोहा । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अमरोहा की रैली में पाकिस्तान का जिक्र कर कहा कि पड़ोसी देश में लोग भूख से लड़ रहे हैं, भारत में 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मिल रहा है। सीएम योगी ने कहा कि भगवा पार्टी का नारा फिर एक बार मोदी सरकार पूरे देश में गूंज रहा है। उन्होंने कहा कि बमुश्किल 23-24 करोड़ की आबादी वाला पाकिस्तान 1947 में बंटवारे के बाद बना था और आज भूखमरी से जूझ रहा है। इसके अलावा बुलंदशहर में योगी ने कहा कि हम लोगों ने बदलते भारत को देखा। पिछले 10 वर्षों में भारत के प्रति सम्मान बढ़ा है, और सीमाएँ सुरक्षित हैं। नक्सलवाद और आतंकवाद की समस्या का समाधान हो गया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने ऐसी समस्याएं दीं जिससे न केवल कश्मीर में बल्कि पूरे देश में आतंकवाद बढ़ा। इतना ही नहीं कांग्रेस ने कभी आतंकवाद के खिलाफ आवाज नहीं उठाई। लेकिन अब कश्मीर में धारा 370 हटा दी गई है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में प्रधानमंत्री जी ने पूरी मजबूती के साथ देश को दुनिया की अग्रणी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित करने का कार्य किया है। जनता का विश्वास एक बार फिर मोदी जी के साथ है।

सलमान के घर फायरिंग का पुर्तगाल कनेक्शन, बिश्नोई के भाई ने ली जिम्मेदारी

मुंबई (एजेंसी)। बीते दिनों फिल्म अभिनेता सलमान खान के घर पर हुई फायरिंग मामले में कई खुलासे हुए हैं। इस घटना की जिम्मेदारी गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल बिश्नोई ने ली है। अनमोल बिश्नोई नाम से फेसबुक अकाउंट गोलीबारी से तीन घंटे पहले ही सामने आया। पुलिस ने बताया कि इस पोस्ट का आईपी (इंटरनेट प्रोटोकॉल) पुर्तगाल में पाया गया। यह संदेह है कि मैसेज वीपीएन (वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क) का इस्तेमाल करके अपलोड किया गया था। पुलिस का कहना कि 2 संदिग्धों ने घटना को अंजाम देने से 4 दिन पहले रायगढ़ जिले से सटे पनवेल में अभिनेता के फार्म हाउस की रेकी की थी। पुलिस के एक सीनियर अधिकारी ने घटना के सिलसिले में अब तक हुई जांच का हवाला देते हुए यह जानकारी दी। उन्होंने बताया, ऐसा प्रतीत होता है कि रविवार तड़के बांद्रा के गैलेक्सी अपार्टमेंट में सलमान के घर के बाहर गोलीबारी के पीछे दोनों हमलावरों का मुख्य उद्देश्य डर पैदा करना था।हिरासत में पूछताछ के दौरान आरोपी विक्की गुप्ता और सागर पाल ने मुंबई पुलिस की अपराध शाखा के अधिकारियों को कई जानकारियां दीं। उन्होंने बताया कि आरोपियों ने 14 अप्रैल को मुंबई में सलमान के घर के बाहर गोलीबारी करने से 4 दिन पहले पनवेल में उनके फार्म हाउस की रेकी की थी। अधिकारी ने बताया कि 58 वर्षीय एक्टर अक्सर मुंबई से लगभग 60 किलोमीटर दूर स्थित फार्म हाउस पर जाते रहते हैं। पुलिस सबूत जुटाने की अपनी कवायद के तौर पर फार्म हाउस के गेट और आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगालने में जुट गई है।

रक्षा के क्षेत्र में ताकतवार हुआ भारत...

आत्मनिर्भर भारत मुहिम का दिख रहा असर

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत की सीमाएं चीन और पाकिस्तान से लगती हैं। दोनों पड़ोसी देशों के मंसूबे भारत के प्रति शत्रुतापूर्ण हैं, यह देखकर भारत अपनी सीमाओं को और मजबूत बनाने में जुटा है। साथ ही अपने सैन्य क्षमताओं का लगातार विकास भी कर रहा है, ताकि जवानों को अत्याधुनिक उपकरण मुहैया करा सके। भारत की ओर से डिफेंस क्षेत्र में लगातार भारी-भरकम निवेश किया जाता रहा है। अब मोदी सरकार के प्रयासों के नतीजे सामने आने लगे हैं। आत्मनिर्भर भारत मुहिम ने रफ्तार पकड़ ली है। अब भारत में वॉर प्लेन (लड़ाकू विमान) के इंजन और बख्तरबंद वाहनों का निर्माण होगा। इससे न केवल भारत का सुरक्षा तंत्र मजबूत होगा, बल्कि आयात पर खर्च होने वाले विदेशी मुद्रा की भी बचत होगी।

दरअसल, अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने सांसदों से कहा कि भारतीय वायुसेना के लिए मिलकर लड़ाकू विमानों के इंजन बनाने के वास्ते भारत और अमेरिका के बीच हुआ समझौता क्रांतिकारी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पिछले वर्ष जून में अमेरिका की आधिकारिक यात्रा पर गए थे और उसी दौरान इस ऐतिहासिक समझौते की घोषणा की गई थी। जनरल इलेक्ट्रिक ने भारतीय वायुसेना के लिए लड़ाकू विमानों के इंजन बनाने के लिए 'हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स' के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

अमेरिकी रक्षा मंत्री ऑस्टिन ने बताया कि अमेरिका के भारत के साथ बेहतरीन संबंध हैं। उन्होंने कहा, 'हमने हाल में भारत को विमान के इंजन बनाने में मदद की और यह एक तरह की क्रांति है। इससे भारत की क्षमता बढ़ेगी। हम भारत के साथ मिलकर एक बख्तरबंद वाहन का भी निर्माण कर रहे हैं। एलसीए तेजस मार्क 1एकी पहली सफल उड़ान बेंगलुरु के एचएएल फैसिलिटी में पूरी हुई। यह फाइटर एयरक्रॉफ्ट अपनी पहली उड़ान के दौरान 18 मिनट तक हवा में रहा। तेजस मार्क 1ए आधुनिक और 4प्लस जेनेरेशन का फाइटर एयरक्रॉफ्ट है। इसमें हवा में फ्यूल भरा जा सकता है, जिससे इसकी क्षमता और बढ़ जाती है। साथ ही यह फाइटर जेट एक्टिव इलेक्ट्रॉनिकली स्केन्ड ऐरे रडार, बीवीआर यानी बियॉन्ड विजुवल रेंज मिसाइल, इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सूट से लैस है। भारतीय वायुसेना ने 83 एलसीए मार्क 1ए तेजस के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के साथ करार किया है। जबकि अतिरिक्त 97 तेजस मार्क 1ए फाइटर की खरीद को रक्षा खरीद परिषद पहले ही मंजूरी दे चुकी है।

अध्ययन: बदलती जलवायु परिवर्तन से आतंकी भी परेशान, नहीं मिल रही छिपने की जगह

- 20 सालों में भारत का औसत तापमान भी रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बड़ी-बड़ी इमारतें, कटते पेड़, कांक्रीट की सड़कें, वायु प्रदूषण ऐसी कई चीजों से हमारी धरती का संतुलन बिगड़ता जा रहा है। लेकिन हम सिर्फ अपनी ख्वाइशें पूरी करने के चक्कर में दिन ब दिन बीमारियों और प्राकृतिक आपदातों को झेलने की मजबूर हैं। इन सभी के चलते आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन को लेकर परेशान है। जलवायु परिवर्तन को लेकर वैज्ञानिक पूरे विश्व को चेतावनी देते हैं।

हाल ही में एडिलेड और रटगर्स विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने खुलासा किया है कि उग्रवादियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले क्षेत्रों में जलवायु में इतनी तेजी से बदलाव आया है कि वो अब उनके छिपने लायक नहीं रह गए हैं। इसकी वजह से उन्हें दूसरे क्षेत्रों की ओर रुख करने को मजबूर होना पड़ा है। शोध के नतीजे एक रिसर्च में सामने आए हैं।

एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में आतंकवादी घटनाओं को लेकर एक अध्ययन किया है। इस अध्ययन में शोधकर्ताओं ने भू-स्थानिक विश्लेषण के माध्यम से जलवायु कारकों और आतंकवाद के बीच संबंधों की जांच की है। उसमें सामने आए नतीजों के मुताबिक तापमान, वर्षा और ऊंचाई भारत में आतंकवादी गतिविधियों को प्रभावित करते हैं। इसमें कहा है कि तापमान, बारिश और ऊंचाई आतंकवादी गतिविधियों के बदलते पैटर्न से जुड़े हैं। शोध के पाया गया कि नए क्षेत्रों में आतंकवादियों का जाना बदलता मौसमी भी था। जलवायु परिवर्तन के बढ़ते दुष्प्रभावों का संबोधित करना न केवल पर्यावरण से जुड़ा मुद्दा है, बल्कि यह सीधे तौर पर राष्ट्रीय सुरक्षा से भी जुड़ा है।

गौरतलब है कि यह अध्ययन 1998 से 2017 के बीच भारत में हुई आतंकवादी गतिविधियों पर केंद्रित था। इस दौरान वैश्विक आतंकवाद डेटाबेस ने भारत में आतंकी हमलों की 9,096 घटनाएं दर्ज कीं थी। 20 सालों में भारत का औसत तापमान भी रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। भारत के कुछ क्षेत्र ऐसे थे जो अध्ययन के दौरान बार-बार आतंकवादी हिंसा से प्रभावित हुए थे। ये क्षेत्र मुख्य रूप से देश के उत्तरी और पूर्वी इलाकों में हैं। वो राज्य जो इस दौरान आतंकवाद के हॉटस्पॉट रहे उनमें जम्मू-कश्मीर, झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल, असम, मेघालय, मणिपुर, त्रिपुरा, छत्तीसगढ़, ओडिशा, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, और केरल शामिल हैं। यह अध्ययन आतंकवादी गतिविधियों के स्थान पर केंद्रित था, लेकिन शोधकर्ताओं के मुताबिक आंकड़े इस बात की ओर भी इशारा करते हैं कि इन आतंकवादी गतिविधियों से जुड़े अन्य मुद्दे जैसे उनके ट्रेनिंग स्थल भी जलवायु में आते बदलावों के साथ बदल रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नवसारी में सी.आर. पाटिल और नैषध देसाई ने एक-दूसरे की जीत की कामना की,विजय मुहूर्त में हुए नामांकन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नवसारी, फॉर्म भरने के वक्त बीजेपी प्रत्याशी सीआर पाटिल और कांग्रेस प्रत्याशी नैशाद देसाई कलेक्टर ऑफिस में एक साथ जमा हुए और उन दोनों ने एक दूसरे को बधाई दी. नवसारी लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी नैशाद देसाई गांधीजी के वेश में जूनाथाना सर्कल से कलेक्टर कार्यालय तक रैली कर पहुंचे. अपना नामांकन फॉर्म भरने का इंतजार कर रहे नैशाद देसाई के सामने सी.आर. पाटिल पहुंचे, जहां दोनों ने एक-दूसरे के कान में बधाई संदेश दिया. फिर सीआर पाटिल ने अपना फॉर्म भरा और वहां से चले गए.

मतदान के दिन कर्मियों को अवकाश देने की नगर पालिका की अधिसूचना, कर्मी भी कर सकेंगे मतदान

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सुरत, नगर निगम ने आगामी ७ मई को लोकसभा चुनाव के लिए मतदान के दिन नगर निगम क्षेत्र के सभी कर्मचारियों के लिए सवैतनिक अवकाश की घोषणा की है. इस संबंध में नगर निगम ने एक अधिसूचना जारी की है. जिसके आधार पर यदि इस दिन किसी कर्मचारी की छुट्टी के पैसे मालिक या संस्था द्वारा काटे जाते हैं, तो उनके खिलाफ गुजरात दुकान और प्रतिष्ठान अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी. लोकसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए प्रशासन की ओर से कई जन जागरूकता कार्यक्रमों की घोषणा की गई है. इसके अलावा, सूरत नगर निगम ने एक अधिसूचना के माध्यम से मतदान के दिन यानी ७ मई २०२४ को मतदान के लिए छुट्टी की घोषणा की है, ताकि अधिक से अधिक मतदान हो सके और कारीगर और श्रमिक वर्ग मतदान कर सकें. इसके अलावा कारीगरों को वजीफा देने के साथ यह अवकाश घोषित किया गया है.

सूरत नगर निगम द्वारा जारी अधिसूचना में उल्लेख किया गया है कि सूरत नगर निगम की सीमा के भीतर गुजरात दुकान और प्रतिष्ठान रोजगार और सेवा की स्थिति विनियमन अधिनियम -२०१९ के तहत पूरे क्षेत्र में सभी दुकानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के चुनाव के तहत ७ मई को गुजरात लोकसभा आम चुनाव-२०२४ के संबंध में निर्वाचन क्षेत्र में मतदान के लिए श्रमिकों के लिए सवैतनिक अवकाश घोषित करने का आदेश दिया गया है. इस अवकाश को लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम-१९५१ की धारा-१३५ (बी) १ के अनुसार सवैतनिक अवकाश घोषित किया गया है. इस दिन कर्मचारी के वेतन से कोई कटौती नहीं की जाएगी. यदि कोई मालिक प्रावधान के विपरीत कार्य करता है तो वह जुर्माना और सजा का भागी होगा.

सूरत में कपासिया तेल की कंपनी के ओरिजनल डब्बे में नकली तेल की मिलवाट करते और बेचते हुए ८ व्यापारी पकड़े गए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

लिंबायत पुलिस और जोन २ एलसीबी दस्ते ने सूचना के आधार पर लिंबायत क्षेत्र में ८ अलग-अलग दुकानों पर छापा मारा. एन.के. प्रोटीन्स प्राइवेट लिमिटेड तिरूपति कपासिया तेल के लेबल और लेबल की नकल करके तेल के डिब्बों का अवैध रूप से दुरूपयोग कर रहा था. कॉपी राइट लेबल लगाकर तेल बाजार में बेचने वाले आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई की गई है.

डीसीपी भागीरथ गढ़वी को सूचना मिली कि लिंबायत में कुछ व्यापारी नकली तेल के डिब्बे बेच रहे हैं. डीसीपी ने लिंबायत पुलिस इंस्पेक्टर एस.बी. पाढेरिया और उनकी टीम को इस संबंध में कार्रवाई करने के निर्देश दिए. एन.के. प्रोटीन्स प्राइवेट लिमिटेड के रूपेश वोरा और जोन २ एल.सी.बी स्क्वाड के पुलिस स्टाफ के जवानों और सर्विलांस स्टाफ के पीएसआई जी.वी. दिहोरा ने अपनी टीम के साथ जालसाजों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए लिंबायत क्षेत्र में जांच की. छापेमारी का वीडियो भी बनाया गया.

लिंबायत इलाके में आठ अलग-अलग किराना दुकानों पर छापेमारी की गई. एन.के. प्रोटीन्स प्राइवेट लिमिटेड, तिरूपति से पता चला कि कपासिया तेल के कुल ५४ डिब्बे लेबल और लेबल की नकल करके नकली लेबल के साथ बाजार में बेचे जा रहे थे. पुलिस ने अवैध डुप्लीकेट ब्रांड के साथ मिलावटी तेल बेचने वालों के खिलाफ कॉपीराइट एक्ट के तहत कानूनी कार्रवाई की है.

डिंडोली में अपने मकान पर कब्जा करने जा रहे हैं मकान मालिक पर किराएदार द्वारा जानलेवा हमला

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के डिंडोली इलाके में एक दिल दहला देने वाली घटना घटी है. अपने ही फ्लैट पर कब्जा करने जा रहे मकान मालिक समेत दो लोगों पर चाकू जैसा धारदार हथियार से किराएदार ने हमला कर दिया, जिसमें मकान मालिक की पीठ में चाकू लग गया और दूसरे युवक का हाथ हथेली से कट गया, जिससे युवक का अंगूठा अलग हो गया. किराएदार हथियार के साथ भागता हुआ सीसीटीवी और मोबाइल वीडियो में भी कैद हुआ है.

३४ साल के गोविंदभाई तेजाराम जाट ने डिंडोली इलाके में देव दर्शन सोसायटी में मकान लिया. उस बिल्डिंग के बिल्डर से बाबू बाबाजी मलिक नाम के शख्स ने मकान किराये पर लिया था. फिर उस मकान को बेचने के बाद मकान मालिक गोविंदभाई जाट उसके मकान पर कब्जा करने के लिए दस महीने से भटक रहे थे.

गोविंदभाई ने दो-तीन बार थाने में आवेदन भी दिया था. आखिरी बार जब गोविंदभाई १६ तारीख को पुलिस स्टेशन गए, तो यह तय हुआ कि घर का कब्ज़ा वापस कर दिया जाएगा. इसके बाद भी १६ तारीख को बाबू नाम के व्यक्ति ने मकान पर कब्जा नहीं दिया तो कल गोविंदभाई और राहुल पवार मकान पर कब्जा लेने के लिए देव दर्शन सोसायटी स्थित उनके घर गए.

मकान पर कब्जा करने आए गोविंदभाई और राहुल से बाबू ने मारपीट शुरू कर दी. इसके बाद उसने चाकू जैसा धारदार हथियार लेकर आया और गोविंदभाई की पीठ पर वार कर दिया. इस घटना के दौरान राहुल गोविंदभाई को बचाने गया. तभी बाबू नाम के शख्स ने राहुल का हाथ काट दिया. हमले में बाबू की पत्नी ने भी साथ दिया. फिलहाल गोविंद और राहुल दोनों का निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है.

पूरी घटना सीसीटीवी और मोबाइल वीडियो में कैद हो गई है. इसमें बाबू गोविंद और राहुल के पीछे चाकू जैसा धारदार हथिया लेकर दौड़ रहा है. लाइव मोबाइल वीडियो में भी देखा रहा है कि वह चाकू जैसा धारदार हथिया लेकर जा रहा है और हमले में उसकी पत्नी भी उसका साथ दे रही है. इस मामले में डिंडोली पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की गई है.

श्री हरि मंदिर रथ शुभारंभ एवं भजन अंताक्षरी का आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सुरत, एकल श्रीहरि वनवासी विकास ट्रस्ट की ओर से शनिवार यानी आज दोपहर ३.३० बजे से वीआईपी रोड स्थित श्री श्याम मंदिर के लखदातार हॉल में श्रीहरि मंदिर रथ शुभारंभ एवं भजन अंताक्षरी का आयोजन किया जाएगा. इस अवसर पर श्री हरि मंदिर रथ का उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संजय जालान करेंगे. इसके बाद एकल श्रीहरि महिला समिति की ओर से भजनों की अंताक्षरी का आयोजन किया जाएगा. जिसमें सभी लोग धार्मिक चरित्र वेशभूषा में भाग लेंगे. ये रथ आदिवासी इलाकों में जाकर लोगों के बीच धर्म का प्रचार-प्रसार करेंगे.

२४ लोकसभा संसदीय सीटों के लिए अंतिम दिन कुल १०नामांकन पत्र भरे गए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सुरत, 24 लोकसभा संसदीय सीटों के चुनाव के लिए फॉर्म वितरण के आखिरी दिन यानि 19 तारीख को कुल 10 नामांकन पत्र भरे गए हैं. इनमें परषोत्तम बारैया (निर्दलीय), किशोर डायानी (निर्दलीय), अजीतसिंह उमट (अखिल भारत हिंदू महासभा), पोकाराम खोजाराम (निर्दलीय), भरत प्रजापति (निर्दलीय), जयेश प्रजापति (ग्लोबल रिपब्लिकन पार्टी), सोहेल शेख (लोग पार्टी), विजय लोहार (बहुजन रिपब्लिकन सोशलिस्ट पार्टी), प्यारेलाल भारती (बहुजन समाज पार्टी), नरेश परमार (बहुजन समाज पार्टी) ने अपनी उम्मीदवारी दर्ज की है. इस प्रकार कुल 15 उम्मीदवारों ने 24 नामांकन पत्र भरे हैं. नामांकन पत्रों की जांच २० तारीख (शनिवार) को सुबह 11 बजे कलेक्टर कार्यालय सम्मेलन कक्ष, 5वीं मंजिल, जिला सेवा सदन-2, बी-ब्लॉक, अठवालाइन्स, सुरत में की जाएगी.

उम्मीदवार या अपना नाम प्रस्तावित करने वाला कोई व्यक्ति या उसका चुनाव एजेंट जिसे उम्मीदवार ने यह नोटिस देने के लिए लिखित रूप में अधिकृत किया है, वह 22 तारीख (सोमवार) को दोपहर 3:00 बजे से पहले अपने कार्यालय में उपरोक्त किसी भी अधिकारी को उम्मीदवारी वापस लेने की सूचना देगा. सूरत जिला चुनाव प्रभाग ने कहा कि उम्मीदवारों की अंतिम तस्वीर शाम को फॉर्म वापसी के बाद साफ हो जाएगी.

22 अप्रैल को दोपहर ३ बजे से पहले नामांकन फॉर्म वापस ले सकते हैं उम्मीदवार, उम्मीदवारों की अंतिम तस्वीर 22 अप्रैल को शाम को साफ हो जाएगी.

20 तारीख को कलेक्टर कार्यालय में नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी